Page-01_Layout 1 3/5/2025 1:02 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-45 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, बुधवार, 5 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

बार-बार चुनावों से देश की प्रगति बाधित हो रही है, देश की... पृष्ठ-3

दिव्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण में वाणी को स्नेहा से मिलेगी... पृष्ठ-7

संक्षिप्त

मुसलमानों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र और राज्य की सरकारों पर धार्मिक मामलों में मुसलमानों के साथ सौतेला व्यवहार का करने का आरोप लगाया है। मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए। किन्तु अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं है।

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के खाद्य और नागरिक आपूर्तिमंत्री धनंजय मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आज अपना इस्तीफा सौंप दिया। फडणवीस ने उसे स्वीकृत कर राज्यपाल के पास भेज दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में इसकी पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि बीड़ जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में धनंजय मुंडे के सहयोगी कराड को गिरफ्तार किया गया है। विपक्ष इस पर धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग कर रहा था। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने धनंजय मुंडे को इस्तीफा देने का आदेश दिया। मुंडे ने आज सुबह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री के पास अपने पीए के माध्यम से भिजवा दिया था। हालांकि मुंडे ने कहा है कि उन्होंने मेडिकल कारणों से इस्तीफा दिया है।

देश को विश्व भर में देनी होगी मानवता की दिशा : भागवत

▪ यह केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करती, बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है-विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने किया शुभारंभ

रमाकान्त पाण्डेय

भोपाल। स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे व्यापक दृष्टिकोण से देखना होगा। मानवता को सही दिशा देने के लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्य को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करती बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज विश्व भारत की ओर देख रहा है। उसे भारत से बहुत उम्मीदे हैं, भारत को विश्व भर में मानवता की दिशा देनी होगी। संघ प्रमुख डॉ. भागवत मंगलवार को विद्या भारती के आयोजित पांच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थिति शारदा विहार आवासीय विद्यालय में आज आवासीय वर्ग का शुभारंभ करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि विद्या भारती अपने विचारों के अनुरूप शिक्षा कार्य कर रही है। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है बल्कि यह छात्रों के जीवन मूल्यों और संस्कारों का निर्माण भी करती है। हमारी शिक्षा का कार्य व्यापक है, जो केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं रह सकता अपितु इसका उद्देश्य समाज को नैतिक रूप से समृद्ध बनाना भी है। उन्होंने कहा कि समय के अनुसार परिवर्तन आवश्यक है, लेकिन इसमें निष्क्रिय होकर बैठना उचित नहीं होगा। मानव अपने मस्तिष्क के बल पर समाज में परिवर्तन लाता है और उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह परिवर्तन सकारात्मक हो।

संघ प्रमुख ने कहा है कि आज के समय में तकनीक समाज के हर क्षेत्र में अपना प्रभाव डाल रही है। हमें टेक्नोलॉजी के लिए एक मानवीय नीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक में जो कुछ गलत है, उसे छोड़ना पड़ेगा और जो अच्छा है, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विशेषता पर जोर देते हुए कहा कि हमें विविधता में एकता बनाए रखनी होगी। भारत की संस्कृति ने हमेशा सभी को जोड़ने का कार्य किया है और इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। सब में मैं हूँ, मुझ में सब हैं, डॉ. भागवत ने भारतीय दर्शन के इस मूल विचार को रेखांकित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह समाज का अभिन्न अंग है और समाज भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दृष्टिकोण से हमें अपने कार्यों को संचालित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी शक्ति और संसाधन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज की उन्नति के लिए समर्पित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में कई विचारधाराएँ हैं और हमें उन लोगों को भी साथ लेकर चलना है जो हमारे विचारों से सहमत नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी का भी मत भिन्न हो सकता है, लेकिन कार्य की दिशा सही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विमर्श का स्वरूप बदलना भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। हमें सकारात्मक सोच और रचनात्मक विचारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए काम करना चाहिए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष दूसी रामकृष्ण राव ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि विद्या भारती के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हमारा मुख्य लक्ष्य है, जिससे वे शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

दुबई, (हि.स.)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार इस प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिले 265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बहुत अच्छी नहीं ही। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल मात्र 8 रन बनाकर आउट हो गए। फिर 43 रन के कुल योग पर कप्तान रोहित शर्मा (28) भी पवेलियन लौट गए। हालांकि इसके बाद विराट कोहली और श्रेयश अय्यर ने पारी को संभाला और 91 रनों की साझेदारी कर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया। अय्यर 45 रन और कोहली 84 रन बनाकर आउट हुए। जबकि पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने 27 रन की अहम पारी खेली। आखिर में केएल राहुल (नाबाद 42 रन) और हार्दिक पांड्या (28 रन) ने टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। रविंद्र जडेजा 2 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम जम्पा और नाथन एलिस ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि बेन ड्वारिस और कूपर कोनोली को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 264 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 73 रन और एलेक्स कैरी ने 61 रन की जुझारू पारी खेली। वहीं, ट्रेविस हेड ने 39 रन, मार्नर लाबुशेन ने 29 रन का योगदान दिया। भारत के लिए मोहम्मद शमी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट अपने नाम किए। जबकि रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को भी एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ भारत ने दुबई में एक नया रिकॉर्ड भी बनाया है। भारतीय टीम उन चुनिंदा टीमों में शामिल हो गई है, जिन्होंने इस मैदान पर 250 से अधिक रनों का सफलतापूर्वक पीछा किया है। इससे पहले, इस मैदान पर बड़े स्कोर का पीछा करना चुनौतीपूर्ण माना जाता था, लेकिन भारत ने अपने मजबूत बल्लेबाजी क्रम से यह कारनामा कर दिखाया।

भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने का गौरव हासिल किया है। 2013 में खिताबी जीत दर्ज करने के बाद, 2017 में भारत फाइनल तक पहुंचा था लेकिन वहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब 2025 के फाइनल में टीम के पास एक और ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका है।

विराट कोहली इस टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हो रहे हैं। उन्होंने अब तक 4 पारियों में 72.33 की औसत से 217 रन बनाए हैं, जिससे वह भारत के शीर्ष स्कोरर बन गए हैं। उनकी इस फॉर्म से भारतीय टीम को फाइनल में भी काफी उम्मीदें होंगी।

रक्षा मंत्री ने देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा की चुनौतियों के खतरों पर चेताया

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे पर मंगलवार को कहा कि हमें आतंकवाद, अलगाववादी आंदोलन, वामपंथी उग्रवाद, सांप्रदायिक तनाव, सीमा पार से घुसपैठ और संगठित अपराध देखने को मिल रहे हैं। इसी तरह बाहरी सुरक्षा में अलग-अलग चुनौतियां हैं। पहले ये चुनौतियां सिर्फ पारंपरिक थीं, लेकिन अब हाइब्रिड युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष आधारित चुनौतियों के खतरे हमारे सामने आ रहे हैं। राजनाथ सिंह ने आज नई दिल्ली में आंतरिक सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर एक सेमिनार में कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों अलग-अलग चीजें नहीं हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। यह एक ही सिक्के के दो सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा को लेकर कई सारी एजेंसियां अलग-अलग हिस्सों में काम कर रही हैं। अलग-अलग दायित्व होने के बावजूद सबका साथ और आदर्श वाक्य एक ही है। उनका आदर्श वाक्य है, देश की सुरक्षा। उनका आदर्श वाक्य है, देश में शांति और उनका आदर्श वाक्य है, देश की प्रगति। इसलिए इस सम्मेलन का आयोजन न केवल प्रासंगिक है, बल्कि समय की आवश्यकता के अनुसार भी है। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां' जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ दो दिवसीय सम्मेलन के सार्थक परिणाम हमारे सामने आएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत में 300 सदस्यीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की राजकुमारी एस्ट्रिड की पहल की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और कृषि में नई साझेदारी के माध्यम से दोनों देशों के लोगों के लिए असीमित अवसरों के द्वार खोलने के लिए तत्पर हैं।

प्रधानमंत्री ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत में 300 सदस्यीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करने की उनकी पहल का मैं तहेदिल से सराहना करता हूं। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि, जीवन विज्ञान, नवाचार, कौशल और शैक्षणिक आदान-प्रदान में नई साझेदारी के माध्यम से हमारे लोगों के लिए असीमित अवसरों को खोलने की आशा करता हूं।

उल्लेखनीय है कि एस्ट्रिड 2 से 8 मार्च तक भारत की यात्रा पर हैं। भारत में रविवार को उनके आगमन पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उनका स्वागत किया था। इसके बाद सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजुकमारी से मुलाकात की थी।

प्रधानमंत्री ने वनतारा में वन्य जीवों को दुलारा, शावकों को बोतल से पिलाया दूध, सोशल मीडिया पर साझा की यादगार तस्वीरें।

लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर्स कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की विशेष प्रतिभा और आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था आधारित और लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इस सदी के पूर्वार्ध के संपन्न होने के पहले ही भारत को एक विकसित देश बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े सभी लोगों और विद्यार्थियों को वैश्विक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों और सहयोग को मजबूत करने से युवा विद्यार्थी 21वीं सदी की दुनिया में अपनी एक अधिक प्रभावी पहचान बना सकेंगे। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट शिक्षा की उपलब्धता से विदेश में अध्ययन करने की प्रवृत्ति में कमी आएगी। देश की युवा प्रतिभा का राष्ट्र निर्माण में बेहतर उपयोग हो सकेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आत्मनिर्भर होना ही सही मायने में विकसित, बड़ी और मजबूत अर्थव्यवस्था की पहचान है। अनुसंधान और नवाचार पर आधारित आत्मनिर्भरता हमारे उद्यमों और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी। ऐसे अनुसंधान और नवाचार को हर संभव सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शिक्षा और उद्योग का संबंध मजबूत दिखाई देता है। उद्योग जगत और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच निरंतर आदान-प्रदान के कारण शोध एवं अनुसंधान कार्य, अर्थव्यवस्था और समाज की जरूरतों से जुड़ा रहता है।

उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से आग्रह किया कि वे आपसी हितों में औद्योगिक संस्थानों के वरिष्ठ लोगों के साथ निरंतर विचार-विमर्श करने के लिए संस्थागत प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इससे शोध कार्य करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की प्रयोगशालाओं को स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों से जोड़ना आप सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थियों की विशेष प्रतिभा और आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था आधारित और लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है। इस संदर्भ में आज के विचार-विमर्श को आधार बनाकर निरंतर सचेत और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। अनुभव के आधार पर समुचित बदलाव होते रहने चाहिए। विद्यार्थियों को सशक्त बनाना ही ऐसे परिवर्तनों का उद्देश्य होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि चरित्रवान, विवेकशील और सक्षम युवाओं के बल पर ही कोई राष्ट्र शक्तिशाली और विकसित बनता है। शिक्षण संस्थानों में हमारे युवा विद्यार्थियों के चरित्र, विवेक और क्षमता का निर्माण होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुख उच्च शिक्षा के गौरवपूर्ण आदर्शों को प्राप्त करेंगे और भारत माता की युवा संततियों को स्वर्णिम भविष्य का उपहार देंगे।

Page-02_Layout 1 3/5/2025 1:22 AM Page 1

विधानसभा सत्र के दौरान सभी सूचीबद्ध कार्यों को पूरा किया गया : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आठवीं विधानसभा के पहले सत्र के दौरान सभी सूचीबद्ध कार्यों को पूरा किया गया। इस दौरान 18 घंटे 18 मिनट सदन की कार्यवाही चली। उन्होंने कहा कि अब सदन का नियमानुसार सत्रावसान किया जाएगा। पहले की तरह एक ही सत्र को अलग-अलग टुकड़ों में साल भर नहीं चलाया जाएगा।

विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि विधानसभा का सत्र 24 फरवरी को शुरू हुआ और 3 मार्च को सदन अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित हुआ। सदन की बैठकें 24, 25, 27, 28 फरवरी और 03 मार्च को आयोजित की गईं। इन पांच बैठकों के दौरान कुल 18 घंटे 18 मिनट तक सदन की कार्यवाही चली। पांच दिनों तक विभिन्न अवसरों पर कुल 126 सदस्यों ने सदन में अपने विचार व्यक्त किए। सदस्यों ने पहले दिन 24 फरवरी को शपथ ली। वरिष्ठ सदस्य अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। 25 फरवरी को उपराज्यपाल ने सदन को सम्बोधित किया। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव सदन में 28 फरवरी को पारित किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में 16 सदस्यों ने भाग लिया और मुख्यमंत्री ने चर्चा का उत्तर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने तीन मार्च को उपराज्यपाल से मुलाकात की तथा धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बारे में उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना दी। उपराज्यपाल ने सदन को अपना संदेश भेजा, जिसे मैंने कल सदन की बैठक के दौरान पढ़कर सुनाया।

अध्यक्ष ने बताया कि 25 फरवरी को उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के सदस्यों को उनके खराब व्यवहार और कार्यवाही में बाधा डालने के कारण बाहर निकालना पड़ा। उपराज्यपाल के अभिभाषण में बाधा डालने के कारण, बाद में सदन ने विपक्ष के सदस्यों को तीन बैठकों के लिए निलम्बित कर दिया।

अध्यक्ष ने बताया कि पहले सत्र का अन्य मुख्य बिंदु सीएजी की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत करना रहा। दिल्ली में शराब के विनियम और आपूर्ति पर सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट 25 फरवरी को मुख्यमंत्री ने सदन में प्रस्तुत की। सदस्यों की मांग के बाद इस पर सदन में दो दिन चर्चा भी की गई। इस चर्चा में 23 सदस्यों ने भाग लिया। 28 फरवरी को मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन पर सीएजी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सदन में इस रिपोर्ट पर भी 28 फरवरी और 3 मार्च को चर्चा हुई। इस चर्चा में भी 23 सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

अध्यक्ष ने बताया कि सदन की लोक लेखा समिति इन रिपोटों की जांच करेगी और लोक लेखा समिति को तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। संबंधित विभागों यानी आबकारी और स्वास्थ्य विभाग को एक महीने के अंदर अपने 'एक्शन टेकन नोट' भेजने का निर्देश दिया गया है। इस सत्र के दौरान नियम-280 के तहत विशेष उल्लेख के कुल 109 नोटिस प्राप्त हुए और तीन दिनों में 42 मामलों को सदन में उठाया गया, जिन्हें संबंधित विभागों को उत्तर देने के लिए भेज दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान जो भी गलत परिपाटी बनी हैं उन सबको दूर किया जाएगा। अब सदन का नियमानुसार सत्रावसान किया जाएगा, पहले की तरह एक ही सत्र को अलग-अलग टुकड़ों में सालभर नहीं चलाया जाएगा। विशेष सत्र की गरिमा भी बहाल की जाएगी। आपातकालीन और विशेष परिस्थितियों में ही विशेष सत्र बुलाया जाएगा। विधानसभा सत्र की अपनी गरिमा और मयार्दा होती है, जिसका पालन किया जाएगा। बजट सत्र से प्रश्न काल भी शुरू होगा, जिसे पिछली सरकार के दौरान लगभग बंद ही कर दिया गया था।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता पुराने सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए।

दो पक्षों के बीच मारपीट के बाद चली गोली, पांच घायल

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर पूर्वी जिले के ज्योति नगर इलाके के शक्ति गार्डन में सोमवार रात दो पक्षों के बीच मारपीट के बाद फायरिंग हुई। इस फायरिंग में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को दिलशाद गार्डन के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि ज्योति नगर थाने में सोमवार रात 9 बजे शक्ति गार्डन गली नंबर 1 में दो पक्षों के बीच फायरिंग की सूचना मिली। पुलिस की टीम ने सभी घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। शिकायत पर हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

डीसीपी के अनुसार शुरूआती जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी रंजिश को लेकर फायरिंग हुई थी। घायलों में शामिल आकाश की मां डॉ. सुदेश ने बताया कि उनके बेटे का सोमवार को जन्मदिन था। पार्टी का सामान लेने के लिए वह अपने दोस्त के साथ दुकान गया था तभी बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। घटना में तीन लोगों को गोली लगी है जिन्हें जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर है।

पत्रकार, साहित्यकार प्रदीप सरदाना को अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मान

दिव्य भारत संवादाता

नयी दिल्ली। वरिष्ठ लेखक, पत्रकार, कवि और फिल्म समीक्षक प्रदीप सरदाना को प्रतिष्ठित अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिन्दी भवन, दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय साहित्योत्सव के दौरान प्रदीप सरदाना को यह सम्मान प्रसिद्द कथाकार चित्रा मुद्गल और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र एवं पूर्व सांसद सुनील शास्त्री ने प्रदान किया। इस अवसर पर अभ्युदय की अध्यक्ष इन्दु झुनझुनवाला सहित देश-विदेश से आयीं साहित्यिक दुनिया की कई हस्तियाँ मौजूद थीं।

बरसों से देश के लगभग सभी बड़े और प्रतिष्ठित प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और डिजिटल मीडिया संस्थानों से जुड़े प्रदीप सरदाना जहां कला एवं फिल्म समीक्षक के रूप में विख्यात हैं। वहाँ साहित्य, राजनीति, स्वास्थ्य, संचार, परिवहन, पर्यटन, कृषि, शिक्षा, धर्म, आध्यात्म और सम सामयिक विषयों पर भी उनका लेखन सुर्खियों में रहता है। मात्र 14 बरस की आयु में लेखन पत्रकारिता की शुरूआत करने वाले प्रदीप सरदाना भारत के सबसे कम उम्र के संपादक-प्रकाशक भी हैं।

महान कवि और लेखक डॉ हरिवंश राय बच्चन

के शिष्य प्रदीप सरदाना ने जहां इस बरस गणतन्त्र दिवस पर प्रसारित आकाशवाणी के प्रतिष्ठित सर्वभाषा कवि सम्मेलन में भी कविता पाठ किया। वहाँ श्री सरदाना की कहानी विश्व की चुनिन्दा कहानियों पर बने दूरदर्शन धारावाहिक झरोखा में भी प्रसारित हो चुकी है। जिसमें विश्व के महान कहानीकार चेखव, जेफरी आर्चर, मार्क ट्विन, मोपासां, कैथरीन मैंसफील्ड और जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ थीं।

इस अवसर पर श्री प्रदीप सरदाना ने कहा- सम्मान-पुरस्कार सदा एक नयी ऊर्जा और उत्साह देते हैं। अभ्युदय जैसी अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक संस्था से पुरस्कार मिलना निश्चय ही सुखद है।

आज का राशिफल

मेष राशि-प्रत्येक कार्य में बाधा, विलम्ब कष्टप्रद होगा, तथा रुकावट व बेचैनी अवश्य होगी।

वृष राशि-कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा, धन का व्यय, समय नष्ट न होने देवें।

मिथुन राशि-स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, प्रेम संबंध विफल हो, रुके कार्य अवश्य हो जायेंगे।

कर्क राशि-आर्थिक योजना पूर्ण होगी, भाग्य का सितारा प्रबल रहे, कार्य अधिक होंगे।

सिंह राशि-साधन सम्पन्न के योग बनेंगे, दैनिक व्यवसाय गति उत्तम अवश्य ही होगी।

कन्या राशि-मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि के योग बनेंगे, योजना फलप्रद अवश्य ही होगी।

तुला राशि-मनोबल उत्साहवर्धक ही होगा, कार्यगति में सुधार होगा तथा विरोधी पराजित होंगे।

वृश्चिक राशि-लेन-देन के मामलें में हानि, विरोधी तत्वों से परेशानी होगी, ध्यान रखें।

धनु राशि-दैनिक सफलता के साधन सम्पन्न हों, स्वभाव में क्रोध व हानि होगी।

मकर राशि-दैनिक सम्पन्नता के साधन बने किन्तु विरोधी तत्वों से परेशानी बनें।

कुंभ राशि-बिगड़े हुये कार्य बनेंगे, योजनायें पूर्ण होगे तथा रुके कार्य बन ही जायेंगे।

मीन राशि-स्त्री वर्ग से हर्ष चिन्तायें कम होंगी, विशेष कार्य स्थगित अवश्य रखें।

-अम्बुजा तिवारी

डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र में 15 दिवसीय पांडुलिपि अध्ययन कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू अध्ययन केन्द्र में मंगलवार को हिंदू अध्ययन केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय एवं तत्वम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ वाग्देवी, वाग्धारा, वागमाता सरस्वती के पूजन और गणेश वंदना से किया गया।

कार्यशाला में डीयू के कला संकाय की डीन प्रो. अमिताव चक्रवर्ती मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक प्रो. अनिर्बान दास विशिष्ट अतिथि और डीयू के अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष अंजना शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम में हिन्दू अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो.ओमनाथ बिमली एवं सह निदेशक व कार्यक्रम संयोजिका डॉ प्रेरणा मल्होत्रा अथवा तत्वम फाउंडेशन के गणेश तिवारी आदि विभूतियां उपस्थित रहीं।

डॉ प्रेरणा मल्होत्रा ने बताया कि भारत में विश्व की सर्वाधिक पांडुलिपियां आज भी विद्यमान हैं। एक अनुमान के अनुसार आज के समय में 10 मीलियन से अधिक पांडुलिपियां उपलब्ध हैं और लगभग एक करोड़ भारतीय पांडुलिपियां दुनिया भर में फैली पड़ी हैं, जिनको लाना और फिर उसका गूढ़वाचन करना फिर डिजिटलाइज करना है। यह भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौती है और इसको करना भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें यूरोसेंट्रिक मानसिकता का त्याग करके अपनी दृष्टि के आधार पर जगत का अनुकरण करना चाहिए। हम सबको लिपियों का अध्ययन करते रहना चाहिए जिससे संस्कृतिक एवं धर्मिक धरोहर को बचाकर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला भारतीय संस्कृति को सभी के समक्ष स्थापित करने के लिए प्रथम कदम है।

प्रो. ओम नाथ बिमली ने अपने वक्तव्य में छात्रों की चिति को जागृत करते हुए भारत भूमि में जन्म पाकर इस जन्म को सार्थक करने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने पांडुलिपि के अध्ययन की उपयोगिता पर बल देते हुए बताया कि कैसे वाचस्पति मिश्र के लिखे ग्रन्थ ब्रह्म तत्व समीक्षा की प्रासंगिकता आज के समय में बहुत अधिक है। इससे मिलने वाले लाभ भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए बहुत आवश्यक है, इसलिए भारतीय ज्ञान परम्परा के लिए आवश्यक है कि हम विभिन्न लिपि सीखते हुए पांडुलिपि संरक्षण करें। विरासत एवं विकास के विषय में उन्होंने बताया कि समाज में अर्जित किए हुए का परित्याग किए बिना हमें आगे बढ़ना चाहिए।

प्रो. अंजना शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें कुछ नया सीखते रहना चाहिए। हमारे विषय में किसी स्थापित विषय द्वारा व्याख्या न करके अपितु हमारी वास्तविक परिभाषा के माध्यम से हमें अपना परिचय देना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञानार्जन के विषय में सभी को प्रेरित करते हुए उन्होंने बताया कि पता नहीं कौन सी चाभी किस ताले को खोल दे, इसलिए हमें ज्ञान की महत्ता को समझना चाहिए।

प्रो. अनिर्बान दास ने एनएमएम के कार्य को विस्तार से बताया कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन कैसे पांडुलिपि के संरक्षण के लिए कार्यरत है और कैसे इसकी सहायता से शोधार्थी लाभान्वित हो सकते हैं और कैसे यह उनके लिए आर्थिक रूप से सहायक हो सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह सभी आएं और पांडुलिपि की लिपियों का अध्ययन करें तथा पांडुलिपियों को बचाने में योगदान करें।

प्रो. अमिताभ चक्रवर्ती ने छात्रों को पांडुलिपियों के अध्ययन और समझ में संलग्न होने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि यह विकसित भारत की प्राप्ति के मिशन में योगदान दे सकता है। उन्होंने छात्रों को पांडुलिपियों के प्रति जागरूकता को जमीनी स्तर पर फैलाने के लिए भी प्रेरित किया, यह बताते हुए कि ये भारत की अमूल्य धरोहर हैं। पांडुलिपियों के अध्ययन के प्रति जुनून विकसित करना युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है, जिससे भारतीय ज्ञान का पुनर्जागरण हो सके।

भलस्वा लैंडफिल में बांस रोपण अभियान शुरू करते उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

सूडोकु नवताल- 7360

कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7359 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

दैनिक पंचांग

5 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

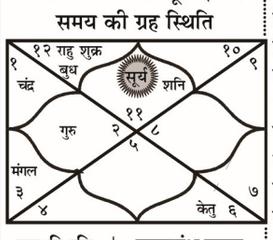

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कुंभ में
चंद्र	मेष में
मंगल	मिथुन में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मीन	06.50 बजे से
मेष	08.21 बजे से
वृष	10.01 बजे से
मिथुन	11.59 बजे से
कर्क	14.13 बजे से
सिंह	16.29 बजे से
कन्या	18.41 बजे से
तुला	20.51 बजे से
वृश्चिक	23.06 ब.से
धनु	01.22 बजे से
मकर	03.27 बजे से
कुंभ	05.14 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 64 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 12.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 01.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 23.07 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.52 बजे तदनन्तर गर 23.48 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 02'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872274
जूलियन दिन 2460739.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 04
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44 बजे तक
काल	08.15	से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47 बजे तक	चर	10.16	से	11.47 बजे तक
रोग	11.47	से	01.16 बजे तक	रोग	11.47	से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44 बजे तक	काल	01.19	से	02.51 बजे तक
चर	02.44	से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8422

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■		■		■	28	

बाएँ से दाएँ

1. *ध्वज, पताका-2*
4. *वहम, संदेह-2*
6. *दलहन-2*
7. *खाली, रिक्त-2*
9. *रसूल, अल्लाह-3*
12. *अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3*
14. *सिवाय, बगैर-3*
16. *इराक की राजधानी-4*
17. *समधी की पत्नी-4*
18. *पीसना, महीन करना-3*
20. *उष्ण, गर्म-3*
22. *उत्तम, विष्णु अवतार-3*
24. *परत, तह-2*
26. *खेती-2*
27. *अधर, होठ-2*
28. *ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2*

ऊपर से नीचे

1. *जल प्रपात-3*
2. *आईल-2*
3. *हूर, अप्सरा-2*
5. *सूक्ति, वाणी, शबद-3*
6. *पिता के पिता-2*
8. *स्टार, सितारा-2*
10. *रोचक, सुंदर, मनोहारी-5*
11. *शीतलता, मुठभेड़-2*
13. *सतरंगा, शंकर धनुष-5*
14. *सिर्फ एक, एकमात्र-3*
15. *हवस, कामेच्छा-3*
19. *लाख-2*
20. *जहर, विष-3*
21. *आनंदित, मनमौजी-2*
22. *मुनि, साधू-2*
23. *अच्छाई, सदशयता-3*
25. *सुरक्षा-2*
26. *कीड़ा, कीट-2*

शब्द पहेली -8421 का हल

■	जी	स	स	■	ग	ब	रु	■
न	भ	■	ज	■	र	■	त	ह
जा	■	■	ग	र	ज	ना	■	ल
रा	ह	त	■	स्म	■	म	ह	क
■	■	र	ज	■	रां	ची	■	■
ज	न	क	■	खा	■	न	स	ल
मी	■	श	ब	न	म	■	■	ह
न	म	■	ह्रा	■	ज	■	जो	र
■	त	ल	ना	■	मा	लि	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/4/2025 11:56 PM Page 1

सांची के स्तूप स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना हैं : डॉ. पनगढ़िया

भोपाल, (हि.स.)। सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं डॉ. मनोज पांडा ने मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास के पहले दिन मंगलवार को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप और ऐतिहासिक उदयगिरि गुफाओं का भ्रमण किया। आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया ने सांची स्तूप की भव्यता और कलात्मक उत्कृष्टता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सांची के स्तूप प्रदेश में स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। डॉ. पनगढ़िया ने कहा कि यह ऐतिहासिक स्थल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में महान सम्राट अशोक द्वारा निर्मित कराया गया था और बौद्ध धर्म के महत्त्वपूर्ण केंद्रों में से एक है। सांची के स्तूप अपनी उत्कृष्ट स्थापत्य शैली और अद्भुत शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ मौजूद तोरण द्वार और जटिल नक्काशीदार स्तंभ बौद्ध जातक कथाओं और घटनाओं को दर्शाते हैं।सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगड़िया और सदस्यों ने सांची स्तूप के भ्रमण के दौरान प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से परिचय प्राप्त किया और भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को नजदीक से देखा। वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से सांची स्तूप के इतिहास को एक रोचक कहानी के माध्यम से जाना। बौद्ध धर्म के विकास, सम्राट अशोक की धम्म नीति और सांची के ऐतिहासिक महत्व की गहरी जानकारी प्राप्त हुई।

आयोग के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों ने उदयगिरि गुफाओं का भी भ्रमण किया। गुप्तकालीन इन गुफाओं में भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की अद्भुत मूर्तियां उकेरी गई हैं, जो प्राचीन भारतीय कला और धर्म का अनुपम उदाहरण हैं। उदयगिरि की 20 गुफाओं में विशेष रूप से वाराह अवतार की विशाल प्रतिमा, जिसमें भगवान विष्णु पृथ्वी को समुद्र से निकालते हुए दिखाए गए हैं, ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वित्त आयोग के सदस्यों ने कहा कि सांची और उदयगिरि जैसे ऐतिहासिक स्थल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के अमूल्य प्रतीक हैं। इन स्थलों का संरक्षण और प्रचार-प्रसार भावी पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है गौरतलब है कि सोलहवें वित्त आयोग का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास पर भोपाल पहुंचा। वित्त विभाग के सचिव लोकेश जाटव ने भोपाल आगमन पर आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों का एयरपोर्ट पर स्वागत किया। उक्त प्रतिनिधिमंडल यहां सात मार्च तक विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगा। वित्त आयोग के दौरे का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच करों के वितरण, अनुदान सहायता (ग्रांट्स-इन-ऐड) के निर्धारण और राज्यों के बीच संसाधनों के उचित आवंटन से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श करना है।

लखनऊ। होटल जेमिनी कांटीनेंटल में रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले पत्रकार वार्ता को संबोधित करते।

पटना। भाजपा के दोबारा चुने गए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को राज्य परिषद की बैठक में माला पहना कर सम्मानित करते।

2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है : भूपेंद्र यादव

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वर्ष 2050 तक भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 02 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बाजार और लगभग 10 मिलियन नौकरियां पैदा कर सकती है। वहीं वैश्विक स्तर की बात करें तो यह सर्कुलर अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक उत्पादन कर सकती है।

भूपेंद्र यादव मंगलवार को जयपुर में चल रहे भारत और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सर्कुलर अर्थव्यवस्था 250 साल पहले हुई औद्योगिक क्रांति के बाद व्यापार में सबसे बड़े परिवर्तनों को सामने लाएगी और उत्पादन तथा उपभोग के अब तक चले आ रहे पारंपरिक मॉडल 'टेक, मेक, वेस्ट' में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत वर्ष 2026 में विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के आयोजन के लिए उम्मीदवार है। उन्होंने कहा कि हर साल, विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का आयोजन किया जाता है और इस वर्ष, 2025 में इसका आयोजन ब्राजील के साओ पाउलो में किया जा रहा है। भारत ने विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026 की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। 2030 और उससे आगे की ओर देखते हुए, इस फोरम को वास्तविक परिवर्तन लाना चाहिए। यादव ने कहा कि भारत प्लास्टिक अपशिष्ट चुनौतियों और उनके संबंधित पारिस्थितिक प्रभावों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम (2016) के जरिए नगरपालिका, औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों को लक्षित करते हुए महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। भारत ने 2022 में अधिसूचना के माध्यम से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की कुछ श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही मिशन 'लाइफ' पहल के साथ जुड़ते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओएफईसीसी) ने ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को बढ़ावा देते हुए पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए इको-मार्क नियम लागू किए है। केंद्रीय मंत्री यादव ने बताया कि 10 अपशिष्ट श्रेणियों के लिए सर्कुलर इकोनॉमी एक्शन प्लान को अंतिम रूप दिया गया है, जिसके लिए विनियामक और कार्यान्वयन रूपरेखा पर काम चल रहा है। यादव ने कहा कि देश में एक मजबूत रीसाइक्लिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है जो अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक आयामों में सतत विकास के लिए, हमें राष्ट्रीय आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी क्षेत्रों में 3आर और सर्कुलर अर्थव्यवस्था सिद्धांतों को एकीकृत करना चाहिए सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांत भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्राचीन ज्ञान में परिलक्षित भी होता है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कथीकला और राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने आज संयुक्त रूप से एक महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें अपशिष्ट प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सत्र में भारत के अपशिष्ट प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से कई प्रमुख रिपोर्टों, बेस्ट प्रैक्टिसेज और महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

सत्र का एक प्रमुख आकर्षण एसबीएम वेस्ट टू वेल्थ पीएमएस पोर्टल का शुभारंभ था, जो स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत विकसित एक अभिनव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। पोर्टल को परियोजना निगरानी को बढ़ाने, डेटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और संसाधन साझा करने की सुविधा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे वेस्ट टू वेल्थ के मिशन के व्यापक उद्देश्य का समर्थन किया जा सके। यह पहल सतत शहरी विकास और प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

सत्र में आईएफसी डॉक्यूमेंट रेफरेंस गाइडः बिजनेस मॉडल्स एंड इकोनॉमिक असिस्टेंस फॉर म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) प्रोजेक्ट्स का विमोचन भी किया गया।

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड में दर्ज हुए आरोपितों के बयान, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश हुए पेश

रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के सेक्स सीडी कांड में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विनोद वर्मा और कैलाश मुरारका सहित सात लोग मंगलवार को सीबीआई के जज भूपेश कुमार बसंत की स्पेशल कोर्ट में पेश हुए। सभी आरोपितों के धारा 164 के तहत बयान दर्ज किए गए। भूपेश बघेल की तरफ से जबलपुर हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने पैरवी की। विशेष न्यायाधीश भूपेश कुमार बसंत की अदालत में इस मामले के अन्य आरोपित विनोद वर्मा, कैलाश मुरारका समेत कुल सात लोग भी मौजूद रहे। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में विनोद वर्मा के साथ-साथ इस मामले में कैलाश मुरारका, रिंकू खनुजा, विजय पंड्या, विनोद भाटिया और पूर्व सीएम और पूर्व पीसीसी अध्यक्ष भूपेश बघेल को भी आरोपित बनाया है जबकि इस मामले के एक आरोपित रिंकू खनूजा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

भूपेश बघेल के अधिवक्ता मनीष दत्त ने पत्रकारों को बताया कि भूपेश बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्होंने न तो सीडी बनवाई और न ही सीडी बांटी।भूपेश बघेल ने किसी तरह का कोई अपराध नहीं किया है। उन्होंने बताया कि सीबीआई अपने तर्क दे चुकी है। सुनवाई के बाद भूपेश चले गए हैं। पिछली सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील फैसल रिजवी ने बताया था कि कोर्ट ने सीबीआई बनाम कैलाश मुरारका और अन्य के विरुद्ध जांच पर बहस की थी। सीबीआई ने बहस पूरी कर ली है। फैजल रिजवी ने बताया कि सीबीआई ने कोर्ट में यह जानकारी दी है कि वर्ष 2017 में मानस साहू ने मार्फ सीडी बनवाई। इसके लिए करीब 95 हजार रुपये का लेनदेन हुआ। पैसा बैंक से बैंक भेजा गया। सीडी बनने के एक साल बाद दिल्ली में उसकी कॉपी हुई। सीबीआई के मुताबिक उनके पास इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हैं।

उल्लेखनीय है कि 27 अक्टूबर, 2017 को छत्तीसगढ़ में एक कथित अश्लील सीडी कांड सामने आया था। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया जा रहा था। इस सीडी में एक आपत्तिजनक वीडियो था, जिसे लेकर भूपेश ने दावा किया था कि महिला के साथ बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखने वाला व्यक्ति मंत्री राजेश मूणत हैं। कुछ ही समय में यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। इस सीडी के सामने आने के बाद मंत्री मूणत ने इसका खंडन करते हुए सीडी को फर्जी बताया और मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। इस मामले में रायपुर के सिविल लाइन थाने में इसका मुकदमा दर्ज हुआ और मंत्री की सीडी सार्वजनिक होने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने गाजियाबाद से वरिष्ठ पत्रकार विनोद वर्मा को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने दावा किया था कि उनके आवास से वीडियो क्लिप की 500 सीडी और 2 लाख जब्त किए गए। इस मामले में सितंबर 2018 में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर साजिश रचने का आरोप था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जमानत लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश भर में तत्कालीन भाजपा सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरी थी।

राहुल गांधी 7-8 मार्च को गुजरात दौरे पर

अहमदाबाद, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन 8 और 9 अप्रैल को गुजरात में होने जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों की समीक्षा के लिए 7-8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले राहुल गांधी का गुजरात दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान राजनीतिक मामलों की समिति में भाग लेंगे। इसके साथ ही वह पार्टी के राज्य प्रमुख, पूर्व प्रमुख, पूर्व विपक्ष के नेता और विपक्ष के नेता से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की शुरूआत 8 अप्रैल को विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से होगी, जिसके बाद 9 अप्रैल को एआईसीसी प्रतिनिधियों की बैठक होगी।

यह असीमित अवसरों का युग है : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए युवाओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत होकर जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह असीमित अवसरों का युग है। ऐसे में यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस बदलते समय का किस तरह से लाभ उठाते हैं। आईआईएससी के कुलाधिपति, केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने संस्थान के महात्मा गांधी सभागार में 56वें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के बैच के 9 पाठ्यक्रमों के 478 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किए गए। इसके अलावा 36 विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में पदक और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

वैष्णव ने दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए आज के दिन को उनके जीवन का प्रमुख मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा कि अब आप जीवन के अगले चरण में प्रवेश करेंगे। उन्होंने इसे रोमांचक समय बताया और कहा कि बड़े पैमाने पर परिवर्तन आ रहा है। पहले काम करने के लिए सीमित दायरा होता था लेकिन अब नए अवसर आ रहे हैं। आज आपमें से प्रत्येक एक नया उद्यम बना सकता है। मीडिया की पूरी दुनिया बदलने के कारण यह संभव हुआ है। वैष्णव ने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाले बदलावों को स्वीकार करने की सलाह देते हुए कहा कि जो लोग बदलाव को आत्मसात करते हैं वह जीवन में आगे बढ़ जाते हैं। कुछ लोग स्वयं को बदलाव से अलग कर लेते हैं वह पीछे रह जाते हैं। जो लोग स्वयं में बदलाव करके आगे जाते हैं वही भविष्य में सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज से बाहर की दुनिया में आपके सामने अनेक चुनौतियां आएंगी। उन्होंने ऐसे कठिन समय में विद्यार्थियों को केवल अपने काम पर फोकस करने की सलाह दी। इस मौके पर आईआईएमसी की कुलपति डॉ. अनुपमा भटनागर ने संस्थान की प्रगति का लेखा-जोखा रखते हुए कहा कि संस्थान को अब डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल गया है। इस नए दर्जे के साथ आईआईएमसी अब डॉक्टरेट की डिग्री सहित डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत है। डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में यह हमारा पहला दीक्षांत समारोह है। इस वर्ष 17 अगस्त को संस्थान अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे करेगा।

बार-बार चुनावों से देश की प्रगति बाधित हो रही है, देश की जरूरत एक साथ चुनाव : शिवराज सिंह

जोधपुर, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि देश में कभी लोकसभा तो कभी विधानसभा चुनाव होते हैं। फिर स्थानीय निकाय तो कहीं किसी और उप चुनाव। चुनाव के दौरान काम रोक दिए जाते हैं और हमारे नेतृत्व करने वाले भी चुनाव में व्यस्त हो जाते है। ऐसे में देश का पूर्ण विकास या मुकाम नहीं मिल पाता है। इसलिए संविधान में संशोधन कर एक देश एक चुनाव की प्रक्रिया को अपनाया जाना जरूरी है। वे मंगलवार को जोधपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शिवराज चौहान क्षेत्रीय कृषि कार्यक्रम में भाग लेने जोधपुर पहुंचे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश में लगातार पांच साल 12 महीने 365 दिन तक हर राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी करता रहता है और छह माह में विधानसभा के कोई ना कोई चुनाव हो जाते है। अलग अलग राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं, जिससे विकास का काम ठप हो जाता है। आचार संहिता लगने के कारण भी विकास ठप होता है। सारी मशीनरी चुनाव में लग जाती है, इसलिए भी विकास के कार्य नहीं हो पाते है। अनावश्यक धन खर्च होता है। चुनावों के कारण सरकारें लांग टर्म की तैयारी नहीं कर पाती है। देश का नुकसान होता है। इसलिए अब समय आ गया है कि विचार कर फैसला हो कि संविधान में संशोधन कर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए। देश की जरूरत है एक साथ चुनाव। बीजों की घटिया क्वालिटी और कानून को लेकर चौहान ने कहा कि उसके लिए समीक्षा की जा रही है। घटिया बीजों को लेकर सजा का प्रावधान कम है, उस पर समीक्षा की जरूरत है।

कानपुर में पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने थाना चकेरी क्षेत्र व थाना जाजमऊ चौराहे का निरीक्षण किया।

एनएचआरसी ने दो सप्ताह का ऑनलाइन लघु अवधि इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने अपनी दो सप्ताह की ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप (ओएसटीआई) शुरू की। देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न शैक्षणिक विषयों के 80 विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 932 आवेदकों में से चुना गया है। दो सप्ताह के इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवाधिकार चेतना और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना, व्यक्तियों को सभी नागरिकों के लिए अधिक न्यायसंगत, समतापूर्ण और मानवीय समाज के लिए उत्प्रेरक के रूप में सेवा करने के लिए सशक्त बनाना है।

एनएचआरसी, भारत के महासचिव भरत लाल ने अपने संबोधन में छात्रों से आग्रह किया कि वे इस अवधि को केवल अपने जीवन परिचय में एक और जोड़ के रूप में न देखकर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंटर्नशिप का वास्तविक मूल्य समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति इंटर्न की सोच, व्यवहार और संवेदनशीलता को बदलने के लिए दिए जाने वाले गहन, स्थायी ज्ञान में निहित है। ऐसे युग में जब लैपटॉप और मोबाइल उपकरणों पर जानकारी आसानी से उपलब्ध है, असली चुनौती डिजिटल पहुंच और प्रयोग के बाद उसे अपनाने के बीच की खाई को पाटना है।

महासचिव ने जोर देकर कहा कि दो सप्ताह का कार्यक्रम पीड़ा और अन्याय के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ जिम्मेदारी की गहरी भावना पैदा करने के लिए बनाया गया है।

Page-04_Layout 1 3/4/2025 7:26 PM Page 1

सम्पादकीय

इतना हल्ला क्यों, पहले भी तो हुआ है परिसीमन

देश में इस समय परिसीमन के मुद्दे पर सियासत में भूचाल आया हुआ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पांच मार्च को इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक आहूत की है। उन्हें आशंका है कि परिसीमन के बाद तमिलनाडु की संसदीय सीटों की संख्या कम हो सकती है। स्टालिन का समर्थन दक्षिणी राज्यों के अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी किया है। अभी यह तय नहीं है कि परिसीमन की प्रक्रिया कब शुरू होगी। यह माना जा रहा है कि 2025-26 में होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन हो सकता है। इस प्रक्रिया के 2028 तक पूरी होने की संभावना है। परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, इसलिए स्टालिन का हल्ला मचाना कहीं से भी ठीक नहीं लग रहा। पहले भी देश में परिसीमन हुए हैं। वैसे भी उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुंचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

माना जा रहा है कि 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल भी अपनाए जा सकते हैं।

लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा। निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा तो शासन में सुधार होगा। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आंकड़ों पर आधारित है। बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आंकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास संबंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढांचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुंचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है इससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं।

आम आदमी जानना चाहता है कि परिसीमन क्या होता है? इसमें लोकसभा सीटों की संख्या कैसे घट और बढ़ जाती है? तो पहली बात यह कि देश में हर जनगणना के बाद परिसीमन होता है। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है।वैसे ऐसा जरूरी भी नहीं है कि हर जनगणना के बाद परिसीमन हो। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसंख्या में बदलाव के अनुसार सभी नागरिकों के समान प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना होता है। देश की आजादी के बाद हर 10 साल में जनगणना कराई जाती रही है। हालांकि, 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है।

संविधान के 81(2) में जिक्र है कि किसी राज्य की जनसंख्या और उस राज्य के संसद सदस्यों की संख्या के बीच का अनुपात सभी राज्यों के लिए समान होना चाहिए। इस हिसाब से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में सांसदों की संख्या ज्यादा है और कम जनसंख्या वाले राज्यों में कम सांसद हैं। संभवतः दक्षिणी राज्यों को इसी बात का डर है। कई दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या तेजी से घटी है। ऐसे में अगर परिसीमन होता है तो इन राज्यों की लोकसभा सीटों में भी आबादी के अनुसार बदलाव हो सकता है। देश में अब तक चार बार 1952, 1963, 1973 और 2022 में परिसीमन आयोग का गठन किया जा चुका है। पहली बार 1952 में परिसीमन प्रक्रिया के समय देश में 489 लोकसभा सीटें थीं। इसके बाद 1963 में परिसीमन हुआ तो लोकसभा सीटों की संख्या 522 हो गई। 1973 में परिसीमन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या 543 हो गई। 1967 में इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए परिसीमन पर 25 साल के लिए रोक लगा दी थी। इसके बाद 2001 में जनगणना हुई और 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया। मगर तत्कालीन केंद्र सरकार ने 84वें संविधान संशोधन के तहत इस पर एक बार फिर 25 साल की रोक लगा दी थी। इस संविधान संशोधन के अनुसार, देश में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 के बाद ही बढ़ाई जा सकती है।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

5 मार्च 1989 : सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी, चिंतक और विचारक पृथ्वी सिंह आजाद का निधन

भारत की स्वाधीनता के लिये जितना संघर्ष भारत के भीतर हुआ, उतना ही जन जागरण अभियान विदेशों में भी हुआ। असंख्य ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और क्राँतिकारी रहे जिन्होंने भारत के भीतर भी संघर्ष किया और जेल गये और भारत के बाहर भी स्वतंत्रता के लिये वातावरण बनाया। क्राँतिकारी पृथ्वीसिंह आजाद ऐसे ही स्वाधीनता सेनानी थे। वे गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

ऐसे चिंतक विचारक और क्राँतिकारी पृथ्वी सिंह आजाद का जन्म 15 सितंबर 1892 को पंजाब प्रांत के मोहाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लालरू में हुआ था। इन दिनों इस क्षेत्र को साहिबजादा अजीतसिंह नगर के नाम से जाना जाता है। उनके शादीराम भी राष्ट्र जागरण अभियान से जुड़े थे। परिवार के संस्कार और राष्ट्रवादी वातावरण के चलते पृथ्वीसिंह किशोर अवस्था में ही राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़ गये थे। आगे चलकर वे लाला लाजपत राय के संपर्क में आये और युवकों को संगठित कर क्राँतिकारी आँदोलन के समर्थक हो गये। समय के साथ वे सक्रिय हुए। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की गिरफ्तारी और खुदीराम बोस के बलिदान के समाचार भी आये। उन्हें लगा कि भारत की स्वतंत्रता के लिये भारत से बाहर अंग्रेजों के विरोधियों का भी समर्थन आवश्यक है। अपने इस विचार से उन्होंने तत्कालीन वरिष्ठों को अवगत कराया और सहमति लेकर वे 1912 में अमेरिका गये। वे हिंदुस्तानी एसोसिएशन ऑफ पेसिफिक कोस्ट के संस्थापकों में से एक लाला हरदयाल से मिले। इसी संस्था को गदर पार्टी के नाम से जाना जाता था। यह संगठन अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को संगठित कर भारत की अंग्रेजों से मुक्ति के लिये वातावरण बना रही थी।

युवा पृथ्वी सिंह संस्था से जुड़े और इसके विस्तार के काम में लग गये। उन्होंने गदर पार्टी के मुखपत्र गदर का प्रकाशन और इसके विस्तार के काम में जुट गये। जब प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ हुआ तो गदर पार्टी ने अपने अनेक कार्यकर्ताओं को भारत भेजा और अंग्रेजों से मुक्ति की सशस्त्र क्रान्ति को तेज किया और युवाओं से आह्वान किया कि अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंका जाये। भारत की स्वाधीनता का यही संकल्प लेकर पृथ्वी सिंह वह 29 अगस्त 1914 को लगभग 150 स्वतंत्रता सेनानियों के साथ भारत लौटे। उन्होंने पूरे पंजाब की यात्रा की और युवकों को संगठित करना आरंभ किया। जब यह समाचार अंग्रेजों को मिला तो 7 दिसंबर 1914 वे गिरफ्तार कर लिये गये। अंग्रेजों ने उन्हें लाहौर षड्यंत्र केस में भी आरोपी बनाया और मौत की सजा सुनाई गई। बाद में सुबूत के अभाव में मृत्युदंड तो बदला लेकिन आजीवन कारावास की सजा देकर सेलुलर जेल भेज दिया गया। उन्हें 1922 में नागपुर जेल स्थानांतरित किया गया। इसके साथ उन्हें कलकत्ता, मद्रास आदि विभिन्न जेलों में 10 साल रखा गया। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों ने अधिकांश राजनैतिक बंदी रिहा किये। इसका लाभ पृथ्वी सिंह जी को भी मिला और वे रिहा कर दिये गये। रिहाई के बाद वे रूस गये। वहाँ रह रहे भारतीयों तथा अंग्रेज विरोधी विचार के लोगों से संपर्क किया तथा भारतीय समाज के दर्द का वर्णन किया। उनके द्वारा दिये गये ये विवरण लेनिन पत्रिका में प्रकाशित हुये। बाद में उनके यह सभी संस्मरण एक पुस्तक के आकार में भी प्रकाशित हुये। भारत लौटने पर काँग्रेस से जुड़े और वे गांधीजी के नेतृत्व में आँदोलन की मुख्यधारा से जुड़ गये। विभिन्न आँदोलनों में जेल गये। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने जब आजाद हिन्द फौज का गठन किया तो उनके समर्थक बने।

स्वतंत्रता के बाद उन्होंने पंजाब से संविधान सभा का चुनाव लड़ा और जीते । भारत सरकार ने 1977 में उन्हे तीसरा सबसे सम्मानित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। जीवन का अंतिम समय अस्वस्थता में बीता और 5 मार्च 1989 को क्राँतिकारी और विचारक पृथ्वी सिंह आजाद ने 96 वर्ष की आयु में संसार से विदा ली। उनकी जीवन गाथा दो आत्मकथाओं में उपलब्ध है। इनमें क्रांति पथ का पथिक का प्रकाशन 1990 में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा किया गया और बाबा पृथ्वी सिंह आजाद, महान योद्धा, 1987 में भारतीय विद्या भवन द्वारा प्रकाशित की गई।

–रमेश शर्मा

मास्टर छोटूराम : गायन-लेखन और शिक्षण के सारथी

प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है। कभी कलाकारों के फन ने तो कभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस जमाने में नए-नए रंग बिखेरे हैं। ये माना जाता है कि आत्मा की तरह कला अजर-अमर है, ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होती है और नया रूप लेती है। आज कला के रूप बदरंग हो गए हैं। कलाकार अपने उद्देश्यों से भटक गए हैं और पैसों के पीछे दौड़ पड़े हैं, जो एक तरह कला को बेचने जैसा है। आज कला के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता समाज को लील रही है। मगर इन सबके बीच आज भी देश में कुछ ऐसे कलाकार हैं जो भारत की प्राचीन सभ्यता को नए रंग देकर उन आदर्श और मूल्यों को बचाने की कोशिश में लगे हैं। जी हाँ, उनमें से एक है हरियाणा के भिवानी जिले के कस्बा सिवानी के गाँव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम।

किसान परिवार में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली। छोटी उम्र में पिता का साया उठने के बाद भी ये अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुए शिक्षा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले चार-पांच दशकों से मास्टर छोटूराम अपने लिखे गीतों के जरिये समाज को भारत की प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे हैं। पेशे से सरकारी अध्यापक मास्टर छोटूराम एक आशु कवि और हरियाणवी-हिंदी के जाने माने गायक हैं। देशभर में हजारों स्टेज कार्यक्रम दे चुके मास्टर छोटूराम हमारे देश के वीर-शहीदों; शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ अन्य सपूतों की जीवनी को जब अपने गीतों और किस्सों के माध्यम से स्टेज पर प्रस्तुत करते हैं तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है। लोगों को आज सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है।

इन सबके अलावा मास्टर छोटूराम यूट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिये भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो के रूप में फ्री में शेयर करते हैं, ताकि प्राचीन संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होंने अपनी रागनियों और नाटकों में बखूबी पिरोया है। देशभर में आकाशवाणी एवं टीवी पर समय-समय पर इनके ये कार्यक्रम देखे-सुने जा सकते हैं। गायक कवि कलाकार मास्टर छोटूराम अपने सिद्धांतों और कला से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति गीतों और किस्सों में हावी है, तब भी इन्होंने अपने मूल्यों को बनाये रखा और हमारे ऐतिहासिक और पौराणिक किस्सों को जेब से पैसे लगाकर रिलीज करवाया है।

बेशक आज के तड़क-भड़क वाले अश्लील वीडियो की तुलना में उनको कम शेयर किया गया है लेकिन वास्तव में उन्होंने हमारी धरोहर को सहेजने कि दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। पितृभक्त श्रवण कुमार और फैशन की फटकार- इनके पहले दो ऑडियो एल्बम हैं जिनको लोग आज बीस साल बाद भी सुन रहे हैं और सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। 'कड़े गए वह नाथू-सुरजा' हरियाणा की बदलती संस्कृति पर फिल्माया गया उनका सुपर हिट गीत है जिसे बहुत पसंद और शेयर किया गया है। ऐतिहासिक 'नरसी का भात' किस्सा दर्शकों को पूरी रातभर सुनने को मजबूर कर देता है। वास्तव में अपनी प्राचीन कला को बनाये रखना बहुत बड़ी बात है। आज के दौर में युवा पीढ़ी यूट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर घटिया स्तर के वीडियो और ऑडियो पसंद करती नजर आ रही है। ऐसे में मास्टर छोटूराम के सामाजिक गीतों के प्रयास बड़ी छाप छोड़ रहे है। मीडिया को ऐसे कलाकारों के प्रयासों को जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित करना चाहिए। ताकि हमारे प्राचीन मूल्यों को आज की इस शोषणकारी और अश्लील संस्कृति से दूर रखा जा सके।

जब मास्टर छोटूराम जैसे कलाकर पैसों के लिए अपनी कला से समझौता नहीं करते तो हम क्यों घर बैठे कर रहें है। अश्लील गीतों को समाज से बाहर करने के लिए हमें अच्छे गीतों और अच्छे कलाकरों को उचित मान-सम्मान देना ही होगा, तभी हम कला को वास्तविक रूप देकर एक रहने योग्य समाज आने वाली पीढ़ियों को देकर जा पाएंगे। लोक कलाएँ वास्तव में किसी भी समाज की नब्ज होती है। हमें अपने बच्चों को इन कलाओं से अवश्य रूबरू करवाना चाहिए। साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आज के इंटरनेट युग में हमारे बच्चे क्या देख रहे हैं, क्या सुन रहे हैं। अच्छे कलाकार और उनकी कला समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक है लेकिन उनको चुनना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रदेश एवं केंद्र सरकार को आज की बिगड़ती संस्कृति के लिए दोषी गानों को खासकर यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर बैन करना चाहिए। मास्टर छोटूराम जैसे कलाकारों को ढूँढ़कर उनके लिए एक सरकारी प्लेटफार्म एवं आर्थिक पैकेज की व्यवस्था करने की जरूरत है ताकि ऐसे सभी कलाकार हमारी संस्कृति को बचाने के लिए चल रहे प्रयासों को और आगे गति दे सकें।

हमारे वीर सपूतों की जीवनियों को मास्टर छोटूराम की तरह रागिनी, नाटक और किस्सों के जरिये अब बदलते दौर के डिजिटल उपकरणों के माध्यम से घर-घर तक पहुँचाने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे वीरों के आदर्शों को अगली पीढ़ी तक सौंप सके। इसलिए जरूरी है कि केंद्र सरकार ऐसे जमीन से जुड़े सच्चे कलाकरों के लिए अलग से कानून बनाकर हर राज्य सरकार को अपने क्षेत्र के हिसाब से लागू करवाए, तभी हमारी संस्कृति, संस्कार और धरोहर बच पाएंगे।

–डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वस्थ भारत की ओर : मोदी की मुहिम से घटेगा मोटापा!

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

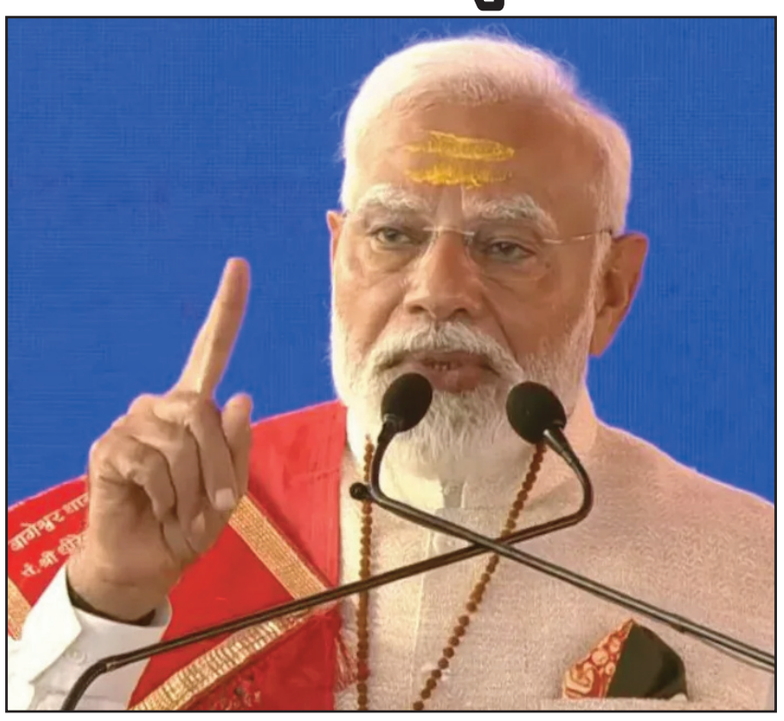

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। द लांसेट पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दशार्ता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब तोंद को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं। मोटापा आज केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बढ़ती समस्या को भांपते हुए इसे रोकने की ठानी और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे अभियानों के माध्यम से पूरे देश को समझा रहे हैं कि स्वास्थ्य ही धन है। देखा जाए तो मोटापे की समस्या आधुनिक जीवनशैली की देन है। पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और फिटनेस को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है। जंक फूड की बढ़ती लत इस समस्या को और जटिल बना रही है। मोदी सरकार ने ईट राइट इंडिया अभियान को बढ़ावा देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है कि स्वस्थ खाना ही असली खाना है। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को कई मशहूर हस्तियों का भी समर्थन मिला है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या हम केवल सोशल मीडिया पर फिटनेस चैलेंज स्वीकार करने तक सीमित रहेंगे, या फिर वास्तव में अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे?

सरकार चाहे जितने भी अभियान चला ले, जब तक आम जनता खुद स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक मोटापे की समस्या बनी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि फिटनेस कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोटापे की समस्या केवल शरीर तक सीमित नहीं रहती, यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर भी असर डालती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं, व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और संतुलित आहार अपनाएं। मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य भारत को आर्थिक और शारीरिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाना है। लेकिन यह बदलाव तभी संभव होगा जब हम स्वस्थ भारत के सपने को सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वरना, वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों में मोटापे से ग्रस्त लोगों की लंबी कतारें होंगी।

रुस का साथ बना भारत के लिए वरदान

देश को आजादी मिले हुए अभी दस वर्ष भी नहीं हुए थे, और हम अपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को खो चुके थे। परंतु अब हम बर्तनिया हुकूमत के अंदर कोई डोमिनियन स्टेट नहीं थे, वरन एक सार्वभौम राष्ट्र थे। बहुत से लोगों के मन में यह शंका होगी कि क्या फर्क होता है इन दोनों स्थितियों में तो समझें कि कनाडा और आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड बररतानिया यानि की ब्रिटिश सिंहासन के औपचारिक अधीनता मंजूर करते हैं। इसका अर्थ यह हुआ की इनके गवर्नर जनरल की औपचारिक नियुक्ति बर्किंघम पैलेस से घोषित होती है, वैसे ये सभी राष्ट्र भी गणराज्य है अर्थात देश के सर्वोच्च पद पर कोई भी नागरिक आसीन हो सकता हैं। यद्यपि ये देश भी राष्ट्रकुल यानि कामनवेल्थ के सदस्य हैं। परंतु भारत के राष्ट्रपति का चुनाव हम अपने संविधान के अंतर्गत करते हैं।

यह तो थी कानूनी बारीकी, अब आइए लौटकर बीसवी सदी के छठे दशक मे चलते हैं। बड़े -बड़े बांधों ने देश के किसानों को जरूरत भर का सिंचाई का जल सुलभ कर दिया था। कुछ छोटे -मोटे कारखाने भी अब शुरू हो रहे थे। पटसन उद्योग अब गांव- गांव मे रस्सी बनाने के साथ नारियल के पेड़ों से निकली मुंज की रस्सी भी नौकायन उद्योग के काम आने लगी थी। अब देश की विकास की भूख बड़ रही थी। विकसित राष्ट्र बनने के लिए स्टील और बिजली बहुत जरूरी थे। जिनके लिए प्रशिक्षित लोग और कल-कारखाने के लिए अनवरत बिजली की जरूरत थी, परंतु उस समय ब्रिटेन, अमेरिका आदि स्टील के कारखाने और बिजली घर देने को राजी नहीं थे। ऐसे मे पंडित नेहरू की गुट निरपेक्ष और पंचशील ही काम आए। सोवियत रूस ने आगे आकर नव स्वतंत्रता पाए भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया और इस प्रकार भारत को पहला स्टील प्लांट भिलाई मिला। अब स्टील को बनाने मे बिजली की खपत बहुत ज्यादा होती है , इसलिए बिजली का एक छोटा प्लांट भी आया, परंतु देश को ताप बिजली यानि थर्मल विद्युत की जरूरत हुई। पनबिजली का उत्पादन बारह मास और चौबीस घंटे नहीं हो सकता हैं परंतु स्टील के उत्पादन के लिए लगातार और अधिक बिजली की जरूरत होती है। इसके लिए सोवियत रूस ने ओबरा और पत्र टूर में तापबिजली घर प्लांट डालर के विनिमय पर नहीं वरन रुपये के विनिमय के तहत दिया। इसका अर्थ यह था कि भारत सोवियुत रूस को जो सामान बेचेगा उसका मूल्य रुपये में दिया जाएगा। जिससे रूस अपने कर्ज की भरपाई करेगा। जब दुनिया मे राष्ट्रों के बीच व्यापार ब्रिटिश पाउंड या अमेरिकी डालर मे हो रहा था तब ऐसे नव स्वतंत्रता पाए भारत को यह सुविधा बहूत्त बड़ा वरदान साबित हुआ।

Page-05_Layout 1 3/5/2025 2:38 AM Page 1

जीओसी 16 कोर नगरोटा ने मुख्य सचिव के समक्ष भूतपूर्व सैनिकों के मुद्दे उठाए

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू के सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा, एवीएसएम, एसएम, जीओसी 16 कोर नगरोटा द्वारा उठाए गए भूतपूर्व सैनिकों के मुद्दों और चिंताओं को सुना। इस अवसर पर गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती, ब्रिगेडियर कपिल तनेजा, वीएसएम, ब्रिगेडियर ए 16 कोर, ब्रिगेडियर गुरमीत सिंह शान, निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड और कर्नल तेजस बी कैंडेड, एसएम, कर्नल जीएस एचआर 16 कोर भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव के समक्ष उठाई गई कुछ मुख्य मांगों में कैडर के उचित प्रबंधन के लिए जम्मू-कश्मीर के सभी भूतपूर्व सैनिकों के डेटाबेस का संकलन और पूर्ण डिजिटलीकरण के अलावा भावी पीढ़ी के लिए अभिलेखों के संरक्षण और आसान रखरखाव शामिल थे।

उन्होंने अपनी सेवाओं के अंतिम वर्ष में भूतपूर्व सैनिक कोटे के तहत सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की अनुमति देने की भी मांग की, क्योंकि भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में कुछ महीने लगते हैं, जिससे उन्हें अपनी सेवा अवधि के अंत में शामिल होने का अवसर मिलता है। एक और मांग एनसीसी प्रशिक्षकों के रूप में उनकी सेवाओं का उपयोग करने की थी, क्योंकि ये भूतपूर्व सैनिक इस भूमिका को निभाने और यहां नामांकित कैडेटों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए अधिक उपयुक्त हैं। कुछ अन्य मांगों में वीर नारियों के पक्ष में आजीविका के अवसरों के संदर्भ में अधिक कल्याणकारी उपाय शामिल थे, इसके अलावा प्रत्येक जिले में जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों के पद भरे जाने चाहिए ताकि इन सैनिकों को अपनी सेवा संबंधी मामलों के निपटान के लिए शहरों की यात्रा न करनी पड़े। मुख्य सचिव ने उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों और मांगों का जवाब देते हुए समाज के इस वर्ग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिन्होंने राष्ट्र के सम्मान और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत स्वरोजगार के उचित अवसर प्रदान करने के विकल्पों का पता लगाएगी और विभिन्न सरकारी नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने में आने वाली उनकी समस्याओं का समाधान भी करेगी। शिकायत निवारण में अतिरिक्त दक्षता लाने के लिए, मुख्य सचिव ने उन्हें अपनी शिकायतों के पंजीकरण के लिए जेके समाधान पोर्टल का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह मंच प्रशासन तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है और पीड़ित व्यक्तियों की अधिकतम संतुष्टि तक गुणवत्तापूर्ण परिणामों के साथ शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करता है। डुल्लू ने गृह विभाग को इन सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और इन सभी के शीघ्र समाधान के लिए कदम उठाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र इन लोगों की सेवा अवधि के दौरान दी गई उनकी महान सेवाओं के लिए उनका ऋणी है। उन्होंने इन मुद्दों के समाधान की समय पर समीक्षा करने के निर्देश दिए और उन्हें आश्वासन दिया कि प्रशासन इन लोगों की कल्याण संबंधी चिंताओं के प्रति सजग है।

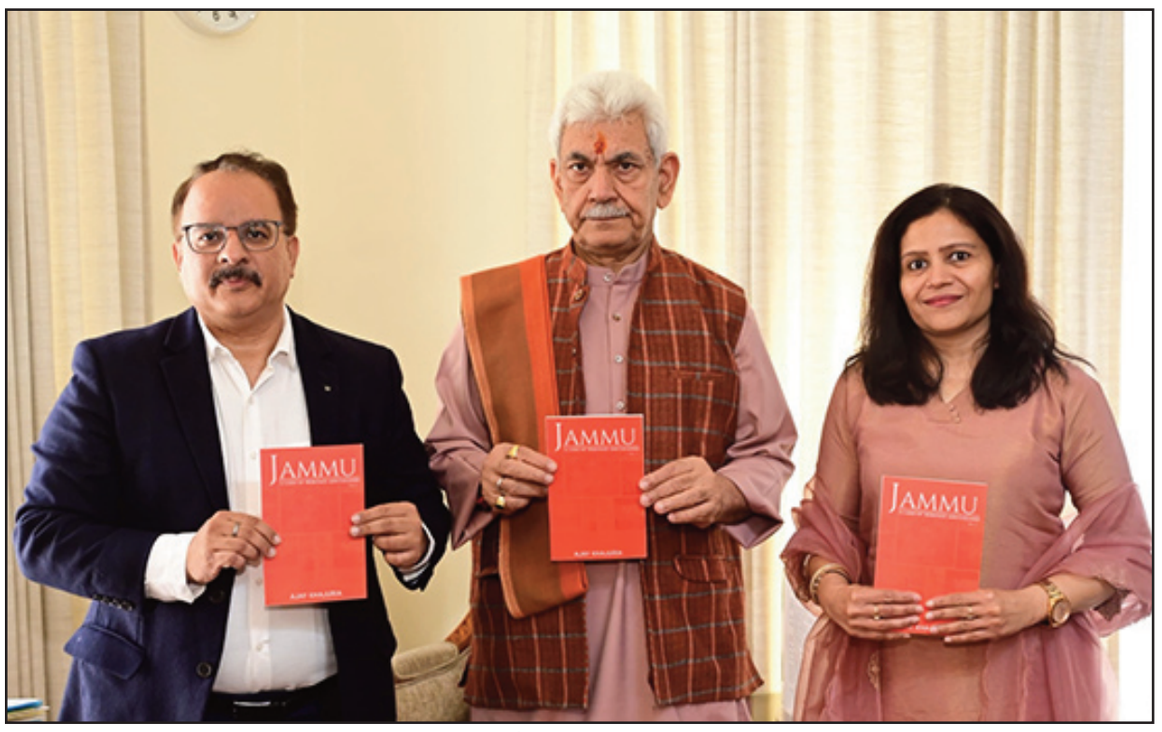

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज जम्मूः ए लैंड ऑफ हेरिटेज एंड लीजेंड्स, वॉल्यूम-कनामक पुस्तक का विमोचन किया, जिसे एम आई ई टी, जम्मू में प्रैक्टिस के प्रोफेसर श्री अजय खजूरिया ने लिखा है। उपराज्यपाल ने लेखक को बधाई दी और अपनी शुभकामनाएं दीं। यह पुस्तक जम्मू की जीवंत विरासत, परंपराओं और वास्तुशिल्प चमत्कारों के बारे में गहन जानकारी प्रदान करती है।

बडगाम में पुराने कचरे को साफ करने का अभियान शुरू हुआ।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्र में ऋण पहुंच बढ़ाने और निवेश करने का आह्वान किया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण व्यवसायों को वित्तीय समावेशन और लक्षित ऋण सहायता की आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज बैंकों से अपनी पहुंच बढ़ाने और वित्तीय योजनाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्य सचिव राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित यूटी क्रेडिट सेमिनार में बोल रहे थे, जहां बैंक ने 2025-26 के लिए जम्मू और कश्मीर के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिए अनुमानित 43,297.01 करोड़ रुपये की ऋण क्षमता का खुलासा किया।

जम्मू में आयोजित सेमिनार में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय निदेशक चंद्रशेखर आजाद, जेएंडके बैंक के एमडी और सीईओ अमिताभ चटर्जी और सरकारी विभागों और वित्तीय संस्थानों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्य भाषण देते हुए मुख्य सचिव ने ऋण नियोजन में नाबार्ड के प्रयासों और यूटी फोकस पेपर को समय पर जारी करने की सराहना की, जिसमें कृषि, एमएसएमई और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के लिए वित्त पोषण प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया है। मुख्य सचिव ने कहा, सरकार सभी पंचायतों में वित्तीय पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक पात्र किसान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) से लाभान्वित हो। उन्होंने बैंकों से समय पर ऋण चुकौती को प्रोत्साहित करने और युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से युवा जैसी सरकार समर्थित पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

कृषि वित्तपोषण में चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए डुल्लू ने आधुनिक कृषि तकनीकों में पूंजी निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से कृषि मशीनीकरण और आधुनिक सिंचाई, सेब, अखरोट और केसर की खेती सहित बागवानी विस्तार और कटाई के बाद प्रसंस्करण और बाजार संपर्क जैसे क्षेत्रों में छोटे और सीमांत किसानों का समर्थन करने के लिए अभिनव वित्तीय मॉडल अपनाने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा, कृषि प्रसंस्करण में निवेश ने पहले ही आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, दूध उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्पादकता को और बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहायता को एकीकृत करना समय की मांग है।

मुख्य सचिव ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को अधिक बैंकिंग सहायता देने का आह्वान किया। उन्होंने नाबार्ड और बैंकों से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। कृषि से परे, मुख्य सचिव ने जम्मू और कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन को एक प्रमुख विकास चालक के रूप में उजागर किया। उन्होंने कहा, सालाना 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों के साथ, हमें बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और टिकाऊ पर्यटन परियोजनाओं में निवेश करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने के लिए परिवहन और लघु सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करते हुए नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए मास्टर प्लान पर काम कर रही है। वित्तीय संबंधों में प्रगति को स्वीकार करते हुए, मुख्य सचिव ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल बैंकिंग और ऋण वितरण तंत्र के अधिक एकीकरण का आह्वान किया।

उन्होंने जोर देकर कहा, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), ऑनलाइन लोन प्रोसेसिंग और वित्तीय 'टच पॉइंट' यह सुनिश्चित करेंगे कि बैंकिंग सबसे दूरदराज के इलाकों तक कुशलतापूर्वक पहुंचे। डुल्लू ने ग्रामीण आबादी को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने में पीएम जन धन योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना और पीएम सुरक्षा बीमा योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस अवसर पर, मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ग्रामीण परिदृश्य को बदलना शीर्षक से एक संग्रह जारी किया, जिसमें क्षेत्र में नाबार्ड के हस्तक्षेपों को प्रदर्शित किया गया, साथ ही कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए संकेतक इकाई लागत (2025-26) पर एक पुस्तिका भी जारी की गई। ये दस्तावेज नीति निमार्ताओं, वित्तीय संस्थानों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में काम करते हैं।

बडगाम में पुराने कचरे को साफ करने का अभियान शुरू हुआ

दिव्य भारत संवाददाता

बडगाम। जिला प्रशासन बडगाम ने ग्रामीण विकास विभाग बडगाम के सहयोग से जिले भर में पुराने कचरे को साफ करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया और ब्लॉक बडगाम से एक विशेष सफाई अभियान भी शुरू किया।

इस अभियान को बडगाम के अतिरिक्त उपायुक्त) मेहराज-उद-दीन शाह ने पंचायत हलका रजवेन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बोलते हुए एडीसी ने कहा कि जिला प्रशासन बडगाम जिले को साफ-सुथरा बनाने के लिए एक मिशनरी उत्साह के साथ अभियान चला रहा है।

उन्होंने जिले में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर चर्चा की, ताकि जिले को साफ-सुथरा, कचरा मुक्त बनाने के लिए समुदायों को संगठित किया जा सके और हर घर में 100% शौचालय बनाए जा सकें।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य खाद और सोखने के गड्ढे, पृथक्करण शेड, अलग कूड़ेदान, पॉलीथीन मुक्त क्षेत्र बनाना है ताकि स्वस्थ समाज बन सके। उन्होंने लोगों से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई इन सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया ताकि बडगाम स्वच्छ और हरा-भरा रहे। शाह ने अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता और सफाई के प्रति जागरूक करना और उनके व्यवहार में बदलाव लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम जिले भर में अन्य स्थानों पर भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान एसीपी बडगाम, बीडीओ, संबंधित पंचायत सचिव, क्षेत्र के स्थानीय लोगों के अलावा जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त कुपवाड़ा ने पीएम सूर्य घर (मुफ्त बिजली योजना) की प्रगति की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

कुपवाड़ा। डिप्टी कमिश्नर कुपवाड़ा, आयुषी सूदन ने आज जिले में पीएम सूर्य घर (मुफ्त बिजली योजना) के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की एक बैठक बुलाई।

यह पहल स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा को अपनाने और सौर ऊर्जा समाधानों के माध्यम से घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करके सतत ऊर्जा विकास के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। बैठक के दौरान, डीसी ने योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया, जिले के सामने आने वाली उपलब्धियों और चुनौतियों दोनों की समीक्षा की।

अधीक्षण अभियंता पीडीडी ने योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की संख्या, सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना, विक्रेता चयन और योजना के तहत लाभार्थियों को अधिकतम करने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से अध्यक्ष को जानकारी दी।

इस अवसर पर, डीसी ने अधिकारियों को योजना के तहत प्रगति को तेज करने और अधिकतम घरों को कवरेज सुनिश्चित करने पर जोर दिया ताकि योजना के तहत बड़े पैमाने पर लोगों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को लाभार्थियों के बीच अधिकतम भागीदारी और जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए आईईसी अभियान को तेज करने के लिए प्रेरित किया। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को अंतराल की पहचान करने और योजना के तहत अधिकतम लाभार्थियों को कवर करने के लिए मिशन मोड पर काम करने का निर्देश दिया। बैठक में अन्य लोगों के अलावा अधीक्षक अभियंता पीडीडी कुपवाड़ा, मुख्य योजना अधिकारी, पीडीडी के कार्यकारी अभियंता, एईई और संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई, जिसे विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सदन के समक्ष रखा।

मुबारक गुल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का गुलाम अहमद मीर ने समर्थन किया।

धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए मुबारक गुल ने कहा कि लोगों ने इस सरकार को भारी जनादेश दिया है। उन्होंने राज्य का दर्जा बहाल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा अधिकार है।

गुलाम अहमद मीर ने संबोधन के दौरान चुनावी प्रक्रिया में विश्वास दिखाने और विधानसभा चुनावों में बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने विधायकों से सदन के समय का विवेकपूर्ण उपयोग करने का भी आह्वान किया।

चर्चा में भाग लेते हुए शाम लाल शर्मा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण अपनी संस्थाओं को मजबूत बनाने और इस संबंध में सामूहिक रूप से काम करने का होना चाहिए।

सज्जाद अहमद शाहीन ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए समग्र रोडमैप पेश करने के लिए सरकार की सराहना की। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शैक्षिक बुनियादी ढांचे के विकास का आह्वान किया। उन्होंने सभी विधायकों से राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया।

फारूक अहमद शाह ने अपने संबोधन में कहा कि हमें सदन की गरिमा बनाए रखनी है और लोगों के कल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने गुलमर्ग में सतत पर्यटन, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए नीति बनाने का भी आह्वान किया। स्पीकर द्वारा पेश किए गए धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान डॉ. रामेश्वर सिंह ने भी बात की। उन्होंने कहा कि सरकार को एनआरएचएम कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए नीति बनानी चाहिए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा अवैध खनन गतिविधियों पर समय पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

उपायुक्त श्रीनगर ने जेके समाधान पोर्टल के तहत पंजीकरण की प्रगति की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। जेके समाधान पोर्टल के तहत पंजीकरण प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा करने के लिए, आज डीसी कार्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में डिप्टी कमिश्नर (डीसी) श्रीनगर डॉ. बिलाल मोहि-उद-दीन भट की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

शुरूआत में, डीसी ने जेके समाधान पोर्टल पर पंजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह एक सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और सरल बनाना है, जिसे सार्वजनिक शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस अवसर पर, डॉ. बिलाल ने अधिकारियों को जेके समाधान पोर्टल के बारे में जनता को जागरूक करने और पोर्टल पर नागरिकों को पंजीकृत करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने शिकायतों के समय पर और कुशल पंजीकरण के महत्व पर जोर दिया, जिसे पोर्टल के माध्यम से एक्सेस और हल किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों की सरकारी सेवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने और शिकायतों के समाधान में पोर्टल के महत्व को रेखांकित किया।

डीसी ने सभी संबंधित विभागों को पोर्टल की पंजीकरण प्रक्रिया में अधिकतम पहुंच और भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सीएससी वीएलई को निर्देश दिया गया कि वे पोर्टल के तहत अधिक से अधिक लोगों को पंजीकृत करें जो स्वयं पंजीकरण करने में असमर्थ हैं। बैठक के दौरान, डीसी ने जेके समाधान पोर्टल पर पंजीकरण की विभागवार प्रगति की निगरानी के लिए डीसी कार्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी नागरिकों को जल्द से जल्द पोर्टल पर पंजीकृत करना सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक संबंधित विभाग को लक्ष्य भी निर्धारित किया।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सैयद अहमद कटारिया; मुख्य योजना अधिकारी, सचिव एसएमसी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य कृषि अधिकारी, तहसीलदार, बीडीओ, एडी एफसीएस एंड सीए, सीडीपीओ, जिला समन्वयक सीएससी और अन्य जिला अधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्त श्रीनगर ने जेके समाधान पोर्टल के तहत पंजीकरण की प्रगति की समीक्षा की।

उपायुक्त पुंछ ने महिला मोटर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

पुंछ। डिप्टी कमिश्नर विकास कुंडल ने आज डाक बंगला पुंछ से शक्ति उद्घोष फाउंडेशन के बैनर तले नशा मुक्ति सीमायें, शक्ति के लिए सवारी, जंजीर तोड़ो थीम पर महिला मोटर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम के दौरान, डिप्टी कमिश्नर ने बाइकर्स से बातचीत की, उनके साहस की सराहना की और पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षित यात्रा के महत्व पर जोर दिया। रैली ने कठुआ से अखनूर और राजौरी होते हुए पुंछ से जम्मू तक की अपनी यात्रा के दौरान महिलाओं की ताकत और लचीलेपन को प्रदर्शित किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी वकील अहमद भट्ट भी समापन दिवस पर मौजूद थे, जिन्होंने नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को मजबूत किया।

Page-06_Layout 1 3/4/2025 11:26 PM Page 1

सर्बिया की संसद में सरकार के एजेंडे से नाराज सांसदों का बवाल

विपक्षी सांसदों ने फेंके स्मोक ग्रेनेड, 2 घायल, एक की हालत गंभीर

बेलग्रेड। यूरोपीय देश सर्बिया की संसद में विपक्षी सांसदों ने भारी बवाल मचाया है। विपक्षी सांसदों ने संसद में एक के बाद एक कई स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले फेंके जिससे संसदीय सत्र में भारी अव्यवस्था फैल गई। संसद में हाथापाई भी देखने को मिली। इस बवाल में दो सांसद घायल हो गए, जिसमें से एक की हालत गंभीर है। विपक्ष ने यह प्रदर्शन सरकार की नीतियों के विरोध और प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन में किया।

सर्बिया की संसद में सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने जैसे ही इस सत्र के एजेंडे को मंजूरी दी, कुछ विपक्षी नेता अपनी कुर्सी से उठकर स्पीकर की कुर्सी की तरफ दौड़ पड़े।

उन्होंने सदन में स्मोक ग्रेनेड फेंक दिया, जिससे सदन में काला धुआं भर गया। इस दौरान उनकी सिक्योरिटी गार्ड्स से हाथापाई भी हुई। संसदीय सत्र के लाइव टेलीविजन प्रसारण में दिखाया गया कि सर्बियाई विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को सरकार की नीतियों के विरोध में संसद के अंदर स्मोक ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले फेंके। इसके बाद पूरे संसद में काला और गुलाबी धुआं फैल गया। विपक्षी सांसद सरकार से नाराज प्रदर्शन कर रहे छात्रों का भी समर्थन कर रहे थे।

प्रधानमंत्री के इस्तीफे पर होनी थी चर्चा

सर्बियाई संसद में मंगलवार को देश की यूनिवर्सिटीज के लिए धनराशि बढ़ाने वाला कानून पारित होना था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक के इस्तीफे पर भी चर्चा होनी थी। लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से पेश किए गए एजेंडे के अन्य मुद्दों ने विपक्ष को नाराज था। इसके बाद यह हंगामा हुआ। स्पीकर एना ब्रनाबिक ने कहा कि इस हमले से दो सांसद घायल हो गए हैं, जिनमें से एक सांसद जैस्मिना ओब्राडोविक की हालत गंभीर है। स्पीकर ने कहा कि संसद अपना काम करना जारी रखेगी। दरअसल, सर्बिया के दूसरे सबसे बड़े शहर नोवी सैड में 1 नवंबर को रेलवे स्टेशन की छत का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें पंद्रह लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। सडकों पर हजारों लोग उतर आए और इस घटना की जवाबदेही की मांग करने लगे। लोगों का आरोप था कि निर्माण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की वजह से छज्जा गिरने की घटना हुई।

जकार्ता में आई बाढ़ के बाद कई इलाके पानी में डूब गये और लोगों को एकजगह से दूसरी जगह जाने में परेशानी हुई।

बोलीविया में हुए एक हादसे में दुर्घटनाग्रस्त हुई एक बस को देखकर राहत व बचाव का काम करते हुए लोग।

ट्रंप की घोषणा प्रभावी, कनाडा-मेक्सिको पर 25 फीसदी शुल्क लागू

वाशिंगटन, (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसद शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा मंगलवार से प्रभावी हो गई। यह अमेरिका के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों को एक समान लाने के उद्देश्य से एक असाधारण कार्रवाई है। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था के कमजोर होने का खतरा है।

सीएनएन की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी तरह के चीनी आयात पर टैरिफ को 10 फीसद से दोगुना कर 20 फीसद कर दिया। यह शुल्क सैकड़ों अरबों चीनी सामानों पर मौजूदा टैरिफ के शीर्ष पर हैं। टैरिफ के प्रभावी होने से कुछ समय पहले व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को खतरनाक कार्टेल गतिविधि और अमेरिका में आने वाली घातक दवाओं की आमद को रोकने के लिए पर्याप्त अवसर दिया, लेकिन दोनों स्थिति को संभालने में विफल रहे।

यह टैरिफ ऐसे समय पर लगाया गया है जब देश में मुद्रास्फीति लगातार ऊंची बनी हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शुल्क का उद्देश्य दोनों अमेरिकी पड़ोसियों को मादक पदार्थ फेंटेनाइल तस्करी के खिलाफ लड़ाई तेज करने और अवैध आव्रजन को रोकने के लिए मजबूर करना है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के व्यापार असंतुलन को भी समाप्त करना चाहते हैं और अधिकाधिक कारखानों को अमेरिका में स्थानांतरित करना चाहते हैं। उनकी टिप्पणियों ने अमेरिकी शेयर बाजार को झकझोर कर रख दिया, सोमवार दोपहर के कारोबार में एसएंडपी 500 इंडेक्स में दो प्रतिशत की गिरावट आई।

इस मसले पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि कनाडा जवाबी कार्रवाई करते हुए 21 दिन की अवधि में 155 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी सामानों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। इसकी शुरूआत मंगलवार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर के सामानों पर शुल्क से होगी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने अमेरिका के निर्णय पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने इमरान खान की जांच की

इस्लामाबाद, (हि.स.)। मुल्क के अपदस्थ प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने जांच की है। खान लंबे समय से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं। उन्हें इस जेल में कड़ी सुरक्षा और निगरानी वाले सेल में रखा गया है।

द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम सोमवार को इमरान खान की गहन चिकित्सा जांच के लिए पहुंची। टीम में कान, नाक और गला विशेषज्ञ शामिल थे। इमरान खान ने कुछ समय पहले कान में दर्द की शिकायत की थी।

रिपोर्ट में रावलपिंडी सेंट्रल जेल के सूत्रों के हवाले से कहा गया कि विस्तृत जांच के बाद डॉक्टरों ने दवा और आवश्यक उपचार निर्धारित किया। चेकअप आधे घंटे से अधिक समय तक चला। इसके बाद मेडिकल टीम जेल से चली गई।

जेल अधिकारियों ने कहा कि पीटीआई अध्यक्ष की हालत स्थिर बनी हुई है। उन्हें सभी आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इमरान खान की कानूनी टीम और पार्टी सदस्यों ने अपने नेता की सेहत को लेकर चिंता जताई है। समर्थकों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों से राजनीतिक बंदियों के लिए पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

चीन ने 15 अमेरिकी कंपनियों को निर्यात नियंत्रण सूची में शामिल किया

बीजिंग, (हि.स.)। चीन ने अमेरिका के नए टैरिफ का जवाब देते हुए उसकी 15 प्रमुख कंपनियों को तत्काल प्रभाव से निर्यात नियंत्रण सूची में शामिल किया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय का यह फैसला मंगलवार से प्रभावी हो गया। इस सूची में अमेरिका की प्रमुख कंपनी लीडोस का नाम भी शामिल है।

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार इन 15 अमेरिकी कंपनियों के दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं का निर्यात निषिद्ध कर दिया गया है। विशेष परिस्थितियों में निर्यातकों को पहले वाणिज्य मंत्रालय को एक आवेदन प्रस्तुत करना होगा। इन 15 कंपनियों में लीडोस, गिब्स एंड कॉक्स, आईपी वीडियो मार्केट इंफो, शील्ड एआई, ग्रुप डब्ल्यू, जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स और जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स प्रमुख हैं। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह फैसला देश के प्रासंगिक कानूनों और विनियमों के अनुरूप राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा करने के साथ परमाणु अप्रसार और अन्य अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए लिया गया।

ग्लोबल टाइम्स के अनुसार अमेरिका के इस कदम पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने वाशिंगटन से अपनी धमकाने वाली रणनीति को छोड़ने और सद्भावना वार्ता और सहयोग के लिए मेज पर लौटने का आग्रह किया है। लिन ने कहा कि अगर अमेरिका के इरादे कुछ और हैं और वह टैरिफ युद्ध, व्यापार युद्ध या किसी अन्य प्रकार का युद्ध छेड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, तो चीन उसी तरह से जवाब देगा।

इस बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने घोषणा की है कि वह चीन से आयातित उत्पादों पर चार मार्च से अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। यह कदम इस साल फरवरी में चीन से आयातित उत्पादों पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ के बाद है।

अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी तरह की सैन्य सहायता रोकी

वाशिंगटन, (हि.स.)। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई तकरार का बड़ा परिणाम सामने आ गया। व्हाइट हाउस ने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही सभी प्रकार की अमेरिकी सैन्य सहायता पर प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य सहायता के शिपमेंट पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया है।

सीएनएन की खबर के अनुसार, पिछले हफ्ते यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने यह आदेश जारी किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि उनका ध्यान शांति पर केंद्रित है। यूक्रेन को भी इस लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति के आदेश के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोकी जा रही है।

अधिकारियों और विश्लेषकों ने कहा कि इस फैसले का बड़ा असर यूक्रेन पर पड़ेगा। इससे यूक्रेन की युद्ध लड़ने की क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि यह प्रतिबंध तब तक कायम रहेगा जब तक जेलेंस्की शांति वार्ता समझौते के लिए तैयार नहीं होते। हालांकि वाशिंगटन और कीव के बीच खुली दुश्मनी के बावजूद कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को सहयोग करने का वादा किया है।

सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के वरिष्ठ सलाहकार मार्क कैंसियन ने कहा कि यूक्रेन को तत्काल तो नहीं लेकिन इस रोक का प्रभाव दो से चार महीनों के भीतर महसूस होगा। यूरोपीय देशों की सहायता से कीव को अभी लड़ाई में बने रहने में मदद मिलेगी। आखिर में यूक्रेन को एक प्रतिकूल शांति समझौता स्वीकार करना ही होगा।

बेगम खालिदा जिया के स्वास्थ्य में सुधार, जल्द लंदन से बांग्लादेश लौटने के आसार

लंदन, (हि.स.)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया लंदन से जल्द ही बांग्लादेश लौट सकती हैं। उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ है। बेगम खालिदा जिया फिलहाल लंदन में रह रहे अपने बेटे तारिक रहमान के आवास पर इलाज करवा रही हैं।

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार बेगम खालिदा जिया के चिकित्सक और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने यह टिप्पणी सोमवार को लंदन में जिया परिषद यूके की इफ्तार पार्टी के बाद पत्रकारों से बातचीत में की। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही बांग्लादेश लौट सकती हैं। उनकी शारीरिक स्थिति स्थिर है। डॉक्टर घर पर नियमित रूप से उनसे मिलते हैं और उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शारीरिक उपचार के अलावा लगभग सात वर्ष बाद अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहने के बाद बेगम जिया के मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है। उनकी मानसिक शांति उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

डॉ. जाहिद ने कहा,"मैं यह नहीं कहूंगा कि खालिदा जिया पूरी तरह से ठीक हो गई हैं, लेकिन वह अब पहले से काफी बेहतर हैं।

अमेरिकी सहायता के बिना छह महीने तक रूस से लड़ने में यूक्रेन सक्षम: विनिस्लावस्की का दावा

कीव, (हि.स.)। यूक्रेन की रक्षा समिति के सदस्य फेदिर विनिस्लावस्की ने दावा किया है कि देश अमेरिका से होने वाले समर्थन के बिना भी छह महीने तक रूस के खिलाफ मुकाबला करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में देश के सैन्य-औद्योगिक ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार और विस्तार हुआ है, जिससे यूक्रेन को जोखिमों का सामना करने के लिए आवश्यक भंडार उपलब्ध हो गया है।

हालांकि, विनिस्लावस्की ने इस बात पर जोर दिया कि कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियां- जैसे उन्नत वायु रक्षा सिस्टम और लंबी दूरी की मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट प्रणाली के लिए अभी भी अमेरिकी सहयोग की जरूरत बनी हुई है। इसी संदर्भ में, देश वैकल्पिक स्रोतों से इन आवश्यक हथियार प्रणालियों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास में लगा हुआ है।

पोप फ्रांसिस को सांस लेने में दिक्कत, छाती में जमा बलगम

वेटिकन सिटी, (हि.स.)। डबल निमोनिया से जूझ रहे पोप फ्रांसिस की हालत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। सांस लेने में दिक्कत होने से उनकी बेचैनी बढ़ गई। डॉक्टरों के मुताबिक, उनके फेफड़े में बलगम जम गया था। किसी तरह बलगम को मैनुअली निकालने की कोशिश की गई।

वेटिकन न्यूज के अनुसार, होली सी प्रेस कार्यालय ने कहा कि पोप फ्रांसिस को बलगम के जमाव के कारण सांस लेने में अत्यधिक समस्या का सामना करना पड़ा। होली सी प्रेस कार्यालय ने सोमवार शाम जारी हेल्थ अपडेट में कहा, "आज, पवित्र पिता को दो बार सांस लेने में दिक्कत हुई। यह नौबत फेफड़े में अत्यधिक बलगम के जमा होने से उत्पन्न हुई। बलगम को निकालने के लिए दो ब्रोंकोस्कोपी की गईं। यह कोई नया संक्रमण नहीं है, इसलिए चिंता की बात नहीं है। बलगम का जमाव केवल निमोनिया का परिणाम है।"

होली सी प्रेस कार्यालय ने अपडेट में माना कि बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए जमा बलगम को बाहर निकालने का प्रयास किया। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस की चिकित्सीय स्थिति जटिल बनी हुई है। रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती फ्रांसिस के लिए 18वां दिन काफी तकलीफदायक रहा। उन्होंने ऑक्सीजन मास्क का उपयोग फिर से शुरू कर दिया है। पिछले सप्ताह हालत में मामूली सुधार के बावजूद उन्हें शुक्रवार को ब्रोंकोस्पजम के कारण झटका भी लग चुका है। इस वजह से उन्हें गैर-इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन का उपयोग करना पड़ा।

रियो डि जिनेरो में सांभा स्कूल के कलाकार एक कार्निवल में पारंपरिक नृत्य पेश करते हुए।

काठमांडू में पानी की पाइपलाइन टूटने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति

काठमांडू, (हि.स.)। राजधानी के व्यस्त इलाके थापाथली में मंगलवार की सुबह जब लोगों की आंखें खुलीं तो उनके घर-आंगन में बाढ़ जैसा पानी आ गया था। घुटने भर पानी भरने के पीछे उस इलाके का पानी की पाइपलाइन टूटने को बताया जा रहा है। इस वजह से क्षेत्र का न सिर्फ यातायात प्रभावित हुआ है, बल्कि घरों में पानी घुसने से लोग परेशान हैं।

थापाथली के मुख्य चौक के आसपास घरों, दुकानों, रेस्टोरेंट और सरकारी दफ्तरों में घुटने तक पानी भर गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली के तार को भूमिगत करने के लिए सड़क में हो रही खुदाई के कारण पानी की पाइपलाइन टूट गई है। इस संबंध में काठमांडू के जल मंत्रालय के अधिकारी तथा सड़क विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच कर इस समस्या के समाधान का उपाय कर रहे हैं।

दिल्ली भ्रमण पर गए नेपाल के पेयजल मंत्री ने वहीं से अपने अधिकारियों को पाइपलाइन की यथाशीघ्र मरम्मत का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने सड़क विभाग के अधिकारियों को भूमिगत तार का काम करते समय सावधानी अपनाने का भी निर्देश दिया है।

पिछले 15 दिनों में काठमांडू में यह इस तरह की दूसरी घटना है। दो हफ्ते पहले ही काठमांडू के जिला अदालत परिसर के आगे ही पानी का पाइपलाइन टूटने से जिला अदालत की अंडरग्राउंड पार्किंग जलमग्न हो गई थी। अदालतों की सैकड़ों फाइल पानी में बह जाने से जिला अदालत में पिछले 15 दिनों से सुनवाई नहीं हो पा रही है।

Page-07_Layout 1 3/4/2025 11:00 PM Page 1

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 से पहले भारतीय ड्रैगफ्लिकर्स ने महान टेके टेकेमा से सीखी बारीकियां

नई दिल्ली, (हि.स.)। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के घरेलू चरण से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की अपनी क्षमताओं को निखारने के लिए विशेष ड्रैगफ्लिकिंग शिविर में हिस्सा लिया। यह शिविर 10 से 16 फरवरी 2025 तक भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। हाल ही में संपन्न हुए इस घरेलू चरण में भारत ने इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले थे।

इस विशेष शिविर का नेतृत्व डच ड्रैगफ्लिक लीजेंड टेके टेकेमा ने किया, जो अपने खेल के दिनों में पेनाल्टी कॉर्नर विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध थे। टेकेमा ने 11 वर्षों के करियर में नीदरलैंड पुरुष हॉकी टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए थे और उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनाल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है। उनके करियर में 2002 और 2006 चैंपियंस ट्रॉफी, 2006 वर्ल्ड कप, 2008 ओलंपिक गेम्स और 2010 एफआईएच वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट्स में सर्वाधिक गोल करने का गौरव हासिल है। वे 2022 से 2024 तक चीन महिला हॉकी टीम के सहायक कोच भी रह चुके हैं। इस शिविर में भारत की प्रमुख ड्रैगफ्लिकर दीपिका, मनीषा चौहान, सोनम और अन्नू के साथ कुछ जूनियर खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने ड्रैगफ्लिक की तकनीकी बारीकियों को सीखा और सटीकता में सुधार किया।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के घरेलू चरण में तीन में से दो गोल पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए करने वाली दीपिका ने शिविर के सकारात्मक प्रभाव को लेकर कहा, हालांकि यह शिविर सिर्फ एक हफ्ते का था, लेकिन इससे मुझे एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण में काफी मदद मिली। मैंने अपने फुटवर्क, शॉट रिलीज और फिनिशिंग पर फोकस किया, जिससे मुझे अपनी तकनीक में जरूरी बदलावों को समझने में आसानी हुई।

उन्होंने आगे कहा, हमने बॉडी पोजिशनिंग और विभिन्न शॉट्स के अनुसार स्टेपिंग पर विशेष ध्यान दिया। इसका प्रभाव मेरे खेल पर साफ दिखाई दिया। टेकेमा ने हमें बेहतरीन मार्गदर्शन दिया और हमने उनकी मेंटरशिप में सुधार महसूस किया। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए, जिससे हमें मानसिक मजबूती मिली।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने टेके टेकेमा को टीम के साथ जोड़ने पर खुशी जताई और कहा, टेके ड्रैगफ्लिकिंग के महान खिलाड़ियों में से एक हैं और मैंने हॉकी इंडिया से अनुरोध किया था कि वे उन्हें टीम के साथ जोड़ें। उन्होंने खिलाड़ियों की तकनीक सुधारने और ड्रैगफ्लिकिंग प्रक्रिया को सहज बनाने पर काम किया है। यह एक अत्यधिक विशेषज्ञता वाली कला है, इसलिए टेके आगे भी हमारे साथ काम करते रहेंगे।

नौटिंघम में एफए कप फुटबॉल में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई ऑस्ट्रेलिया की माया जाइंट।

आईपीएल की जंग के लिए धौलाधार की वादियों में पसीना बहा रहे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी

धर्मशाला, (हि.स.)। आईपीएल सीजन शुरू होने से पूर्व पंजाब किंग्स के खिलाड़ी धौलाधार की वादियों में ठंडे मौसम के बीच पसीना बहा रहे हैं। एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में मंगलवार से पंजाब किंग्स की टीम प्रैक्टिस के लिए उतरी। पंजाब के खिलाड़ी आईपीएल मैचों से पूर्व अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में तैयारियों के लिए 5 दिवसीय अभ्यास सत्र के लिए यहां पंहुचे हैं।

टीम के स्टार खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह और युजवेंद्र चहल सहित 11 सदस्य कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। वे अपनी रणनीतियों को और बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। इस दौरान एचपीसीए के खिलाड़ी भी पंजाब किंग्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं।

धर्मशाला स्टेडियम में स्टार क्रिकेटरों को देखने के लिए प्रशंसक भी पहुंच रहे हैं। युवा फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए लंबा इंतजार कर रहे हैं। दर्शक दीर्घा में बैठे लोग मोबाइल से फोटो और वीडियो बना रहे हैं।

हालांकि इस दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत आम लोगों को खिलाड़ियों से मिलने की इजाजत नहीं दी जा रही। पंजाब किंग्स की टीम अगले 3 दिनों तक धर्मशाला में प्रैक्टिस करेगी। मौसम अनुकूल रहा तो इस दौरान अभ्यास मैच भी खेले जाएंगे।

धर्मशाला में मई महीने में आईपीएल के तीन मुकाबले खेले जाएंगे। पंजाब किंग्स की टीम 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स से मैच खेलेगी। 8 मई को मुंबई इंडियंस के साथ और 11 मई को दिल्ली कैपिटल्स से पंजाब की टीम भिड़ेगी।

उधर आईपीएल के मैचों के लिए एचपीसीए द्वारा भी तैयारियां की जा रही हैं। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि फिलहाल पांच दिवसीय इस अभ्यास सत्र के दौरान पंजाब की टीम यहां प्रैक्टिस करने वाली है। उन्होंने बताया कि इसके बाद अन्य तैयारियों को पूरा किया जाना है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला में आईपीएल के मई माह में तीन मैच खेले जाने हैं जिनके लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएंगी।

उधर एचपीसीए के निदशेक संजय शर्मा ने कहा कि धर्मशाला में खेले जाने वाले तीन मैचों से यहां के पर्यटन को नए पंख लगेंगे। उन्होंने इन मैचों के लिए आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल का आभार जताया है।

हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण में वाणी को स्नेहा से मिलेगी कड़ी चुनौती

गुरुग्राम, (हि.स.)। हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के पांचवें चरण में अनुभवी वाणी कपूर अपनी शानदार लय बरकरार रखने उतरेंगी। वाणी ने पिछले महीने चौथे चरण में रोमांचक जीत दर्ज की थी और अब क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में होने वाले इस टूर्नामेंट में एक और खिताब अपने नाम करने की कोशिश करेंगी। इस टूर्नामेंट में कुल 38 खिलाड़ी भाग ले रही हैं, जिसमें 5 एमेच्योर गोल्फर भी शामिल हैं। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 16 लाख रुपये रखी गई है। वाणी को इस बार कड़ी चुनौती स्नेहा सिंह से मिलने की संभावना है, जो इस सीजन में दो खिताब जीतकर हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर बनी हुई हैं। इसके अलावा अमनदीप द्राल, जो लेडीज यूरोपियन टूर (एलइटी) में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। गौरिका बिश्नोई और रिधिमा दिलवारी भी खिताबी दौड़ में शामिल होंगी। स्नेहा सिंह और रिधिमा दिलवारी ने पिछले टूर्नामेंट के फाइनल राउंड में 66 और 67 का स्कोर कर शीर्ष तीन में जगह बनाई थी, जिससे उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म का संकेत दिया है।

भारतीय प्रोफेशनल गोल्फर हाल के वर्षों में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में खेलने के लिए जा रही हैं। लेडीज यूरोपियन टूर (एलइटी) में भी कई भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इस टूर्नामेंट में कई युवा खिलाड़ी भी भाग ले रही हैं, जो हाल के वर्षों में अपनी छाप छोड़ने में सफल रही हैं। इनमें जैस्मिन शेखर, जिन्होंने 2024 में कई बार खिताब जीते, और अन्विता नरेंद्र, जो सफलता का स्वाद चख चुकी हैं, शामिल हैं।

दिल्ली

राजेंद्र गोयनका की पुस्तक 'संपूर्ण समाधान' का विमोचन

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य पर केंद्रित लेखक राजेंद्र गोयनका की पुस्तक 'संपूर्ण समाधान' का विमोचन भारतीय संविधान क्लब के स्पीकर हाल में किया गया। प्रतिष्ठित प्रभात प्रकाशन से हिन्दी में छपकर आई इस पुस्तक के विमोचन अवसर पर सोमवार को प्रमुख रूप से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष 'पद्मभूषण' रामबहादुर राय और केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सीआर पाटिल मौजूद रहे।

विमोचन समारोह की अध्यक्षता बहुभाषी संवाद समिति हिन्दुस्थान समाचार के समूह संपादक पद्मभूषण रामबहादुर राय ने की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों में बदलाव लाने की क्षमता रखती है।भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। किताब का औपचारिक विमोचन केंद्रीयमंत्री पाटिल ने किया। उन्होंने कहा कि लेखक गोयनका ने 'संपूर्ण समाधान' में नीतिगत सुधारों और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण विचार रखे हैं। पुस्तक में विविध समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया है। उन्होंने जागरूक नागरिक की भूमिका निभाई है। विश्वास है कि यह पुस्तक नीति-निमार्ताओं का ध्यान आकर्षित करेगी।

इस अवसर पर पुस्तक के लेखक गोयनका ने कहा, "समस्याएं जीवन में निराशा लाती हैं। समाधान उत्साह को जन्म देते हैं। इस दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका हल न हो। महत्वपूर्ण यह है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और सकारात्मक सोच के साथ समाधान खोजें। हमारा प्रयास हमेशा समस्या का हिस्सा बनने की बजाय समाधान का हिस्सा बनने का होना चाहिए।" पुस्तक चर्चा में अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, पूर्व सांसद और आईसीसीआर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के अध्यक्ष अजय सिंह, प्रमुख टीवी पत्रकार राणा यशवंत के अलावा पूर्व आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के नामचीन लोगों ने हिस्सा लिया।

इनमें प्रमुख हैं-डॉ. नितिन रमेश गोकरण जी, विक्रम सिंह, अर्थशास्त्री प्रो. वी उपाध्याय, सुधीर अग्रवाल, गोकुल पटनायक, गुरुग्राम के आयकर आयुक्त भरत भूषण गर्ग, अकु श्रीवास्तव, ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक और एंग्लियन ओमेगा ग्रुप के अध्यक्ष उदय नारंग, अखिल भारतीय व्यापार मंडल के सचिव आरके गौड़। समारोह के संयोजक आलोक पारिख और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव, तमिलनाडु और लक्षद्वीप के प्रभारी अरविंद मेनन ने इस पुस्तक की विषय वस्तु को आधार बिंदु मानकर नीति और सुशासन पर अपने विचार साझा किए।

पुस्तक में सुझाए गए नीतिगत सुधारों और समाधान आधारित दृष्टिकोण पर वक्ताओं ने प्रभावी शासन, आर्थिक स्थिरता, कृषि नवाचार, न्याय प्रणाली में सुधार और समावेशी सामाजिक नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया। इस आयोजन में नीति-निमार्ताओं, प्रशासकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं की सक्रिय भागीदारी रही। समारोह में घोषणा की गई कि 2025 के अंत तक 'संपूर्ण समाधान' को अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में मनुस्मृति और बाबरनामा पढ़ाने की कोई योजना नहीं : कुलपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मंगलवार को कहा कि विश्वविद्यालय में मनुस्मृति या बाबरनामा जैसा कोई भी कोर्स या अध्ययन सामग्री प्रस्तुत करने की हमारी कोई मनसा नहीं है। डीयू प्रशासन के सामने न तो ऐसा कोई विषय विचारणीय है और भविष्य में भी हम ऐसे विषयों को अस्वीकार करते हैं।

कुलपति ने कहा कि बाबरनामा तो वैसे भी एक आतातायी की आत्मकथा है। उसके पढ़ाने की न तो कोई जरूरत है और आज के समय में न ही उसकी कोई प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत हम भारतीय परम्पराओं के अनुरूप नए-नए कोर्स लाना चाहते हैं और ला भी रहे हैं, जिनसे देश और समाज का भला हो। हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इस दिशा में देश की अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत हो और समाज का दायरा कैसे बेहतर हो सके, हम इसकी ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी अध्ययन सामाग्री इस बात के मद्देनजर डिजाइन कर रहा है कि हम 2047 तक विकसित राष्ट्र के संकल्प को कैसे प्राप्त कर सकते हैं और डीयू का उसमें क्या योगदान हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि डीयू के इतिहास और दर्शनशास्त्र विभाग की संयुक्त पाठ्यक्रम समिति ने 19 फरवरी को एक बैठक में अपने स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव कर ऐतिहासिक ग्रंथों- मनुस्मृति और बाबरनामा को शामिल करने का सुझाव दिया था। हालांकि पाठ्यक्रम में बदलावों की समीक्षा करने वाली कार्यकारी परिषद ने इसे अभी मंजूरी नहीं दी है।

ऑफिस से 6.5 लाख रुपये चुराकर भागा था नौकर, गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिमी जिले के नारायणा थाना पुलिस ने ऑफिस से 6.5 लाख रुपये चुराकर भागे नौकर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गोलू उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है। आरोपित नारायणा का रहने वाला है। उसके कब्जे से चोरी के 4.26 लाख रुपये बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाना नारायणा में चोरी के संबंध में कॉल आई थी। शिकायतकर्ता ने बताया वह संस्कृति यूनिवर्सिटी में फील्ड ऑफिसर के पद पर काम करते हैं।

दो करोड़ की लूट के मामले में दो नाबालिग समेत तीन को पकड़ा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण जिले के फतेहपुर बेरी थाना पुलिस ने फार्म हाउस में चल रहे एक नामी बुटीक में गार्ड को बंधक बनाकर दो करोड़ रुपये की कीमत के दुल्हन के कपड़े व अन्य सामान लूटने के मामले में दो नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए दो लुटेरे जांच में नाबालिग निकले हैं। जबकि तीसरी आरोपित युवती है और वह पकड़े गए एक नाबालिग की मित्र है। सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग ने युवती से दोस्ती की और वारदात के लिए राजी किया था। पकड़ा गया एक नाबालिग बुटीक में सेल्समैन का काम करता है। पुलिस ने आरोपितों की निशादेही पर लूट का सारा सामान बरामद किया।

दक्षिण जिले के एडीशनल डीसीपी अचिन गर्ग ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि फतेहपुर बेरी पुलिस को एक मार्च की देर रात पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि त्रिवेणी हाट नामक फार्म हाउस में लूट हुई है। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कॉलर गार्ड ने बताया कि दो युवक व एक युवती देर रात उनके पास आए थे। युवती ने खुद को फार्म हाउस मालिक आशीष बत्रा का रिश्तेदार बताकर बाथरूम इस्तेमाल करने की बात कही थी। युवती द्वारा गार्ड को बातों में उलझाने के दौरान दोनों आरोपितों ने गार्ड को काबू कर उसके हाथ-पैर बांध दिए। उसके बाद तीनों आरोपित फार्म हाउस में चलने वाले बुटीक से सामान समेट कर फरार हो गए। मौके पर पहुंचे बुटीक संचालक ने पुलिस को बताया कि करीब दो करोड़ का सामान चोरी हुआ है।

डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने बुटीक में लगे सीसीटीवी को खंगाला तो पता चला कि आरोपित डीवीआर अपने साथ ले गए हैं। डीसीपी के अनुसार मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने दो टीमों का गठन किया।एक टीम ने बुटीक के अन्य कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की जबकि दूसरी टीम ने घटनास्थल से करीब छह किलोमीटर तक लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। इस बीच एक फुटेज में पुलिस को आरोपितों की गाड़ी नजर आई। आरोपितों ने नंबर छिपाने के लिए नंबर प्लेट पर टेप चिपकाया हुआ था। इधर पुलिस ने चैम्पियन में लिखे राजू नाम की जांच शुरू की। काफी जांच करने पर पुलिस गाड़ी के मालिक तक पहुंची। मालिक ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी चैम्पियन गाड़ी नाबालिग साथी को एक दिन के लिए दी थी। पुलिस ने मालिक की निशानदेही पर नाबालिग कोदबोचा। उसके बाद उसकी निशानदेही पर दूसरे नाबालिग व उसकी मित्र युवती को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया। आगे पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि उन्होंने लूट का सारा सामान आया नगर स्थित किराए के मकान में रखा है। पुलिस ने मकान से सारा सामान बरामद किया।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आआपा कार्यकर्ता मंडी हाउस में प्रदर्शन करते हुए।

Page-08_Layout 1 3/5/2025 3:40 AM Page 1

छह जिलों में मूक-बधिर विद्यालयों का कायाकल्प कर रही योगी सरकार

- आश्रय गृह, इंटर कॉलेज और विशेष विद्यालयों को योगी सरकार की बड़ी सौगात
- योगी सरकार ने छह विशेष विद्यालयों के कायाकल्प के लिए दी करोड़ों की स्वीकृति
- उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए नई उम्मीद बनी योगी सरकार

आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां विकलांगों की उच्च शिक्षा के लिए दो समर्पित विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। इसके साथ ही, 25 बचपन केयर सेंटरों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सरकार दिव्यांगजनों के लिए नए शिक्षण सत्र से पहले छह जिलों में संचालित मूक-बधिर विद्यालयों का व्यापक कायाकल्प कर रही है। इन प्रयासों से दिव्यांगजनों को शिक्षा और प्रशिक्षण की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। योगी सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष विद्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इस पहल के तहत समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, प्रतापगढ़ के संचालन हेतु फर्नीचर, उपकरण और बर्तन आदि की खरीद के लिए 148.91 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह, संकेत मूक-बधिर बालकों के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, सोनभद्र को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 130.69 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक नवीन मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था हेतु 96.26 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, संकेत राजकीय मूक-बधिर विद्यालय, गोरखपुर में बेहतर सुविधाओं के विकास के लिए 130.69 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जबकि चंदौली में नवनिर्मित ममता राजकीय मानसिक मंदित विद्यालय को संचालन योग्य बनाने हेतु 123.22 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। वहीं, संकेत मूक-बधिर बालिकाओं के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, कुशीनगर में सुविधाओं के विस्तार और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 130.69 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इन वित्तीय स्वीकृतियों से विशेष जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश में दिव्यांग छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के दो विश्वविद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जो पूरे देश में एक मिसाल है। इसके अलावा, 25 बचपन केयर सेंटरों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को विशेष देखभाल और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें रोजगार तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। इसके तहत राज्य सरकार ने विशेष शिक्षा संस्थानों और आश्रय गृहों के लिए महत्वपूर्ण बजट आवंटित किया है, जिससे इन संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

योगी सरकार के इन प्रयासों से दिव्यांगजनों को न केवल बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे अपनी क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल राज्य सरकार की समावेशी विकास नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रही है। योगी सरकार की मंशा आने वाले वर्षों में दिव्यांगजनों के लिए और अधिक शिक्षा केंद्र, आश्रय गृह और व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से उनके सरकारी आवास में आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज निरंजनी अखाड़ा, हरिद्वार ने शिष्टाचार भेंट की।

यूपी इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स की भूमि आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाएगी योगी सरकार

- सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने शुरू की तैयारी
- यूपीआईएमएलसी के अंतर्गत उन्नाव, हरदोई संभल में लॉजिस्टिक एवं इंडस्ट्रियल प्लॉट्स के अलॉटमेंट के लिए मांगे गए आवेदन
- उन्नाव में 11.36 हेक्टेयर, संभल व हरदोई में 1.2-1.2 हेक्टेयर से अधिक वर्गक्षेत्र के प्लॉट्स के लिए कर सकेंगे आवेदन
- शानदार कनेक्टिविटी, 24 घंटे पावर सप्लाई, डेडिकेटेड वॉटर सप्लाई, ड्रेनेज व एसटीपी जैसी खूबियों से लैस हैं यह प्लॉट्स
- तीनों क्लस्टर्स में प्लॉट्स के बेसिक अलॉटमेंट रेट तय, अन्य क्लस्टर्स में भी जल्द शुरू होगी प्लॉट आवंटन की कार्रवाई

दिव्य भारत संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने यूपी इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स (यूपीआईएमएलसी) पर इंडस्ट्रियल यूनिट्स की स्थापना की तैयारी शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने प्रक्रिया की शुरूआत करते हुए अब उन्नाव, हरदोई व संभल में लॉजिस्टिक एवं इंडस्ट्रियल प्लॉट्स के अलॉटमेंट के लिए आवेदन मांगे हैं।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत उन्नाव में 11.36 हेक्टेयर तथा संभल-हरदोई में 1.2, 1.2 हेक्टेयर से अधिक वर्गक्षेत्र के प्लॉट्स के लिए उद्यमी आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह प्लाट्स शानदार कनेक्टिविटी, 24 घंटे पावर सप्लाई, डेडिकेटेड वॉटर सप्लाई, ड्रेनेज व एसटीपी जैसी तमाम खूबियों से लैस हैं।

यूपीआईएमएलसी परियोजना के अंतर्गत यूपीडा अपने 05 एक्सप्रेसवे के समीप औद्योगिक गलियारे विकसित कर रहा है, जिसके अंतर्गत स्ट्रैटेजिक लोकेशंस पर 29 आत्मनिर्भर एकीकृत विनिर्माण व लॉजिस्टिक क्लस्टर (आईएमएलसी) की परियोजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। इसमें फ्रेट मूवमेंट के लिए अच्छी सड़क, रेल, हवाई संपर्क तथा उद्योग स्थापना के लिए अनुकूल प्रतिस्पर्धी माहौल प्रदान करने के लिए सामाजिक बुनियादी ढांचे की सुविधा विकसित की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 30 जिलों में 33 आईएमएलसी की स्थापना की जाएगी और इसी के फेज के अंतर्गत अब उन्नाव, संभल व हरदोई में लैंड अलॉटमेंट प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इच्छुक आवेदनकर्ताओं से आवेदन मांगे गए हैं। जल्द ही अन्य क्लस्टर्स में भी प्लॉट अलॉटमेंट की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्नाव, संभल और हरदोई के चिह्नित तीनों क्लस्टर्स गंगा एक्सप्रेसवे के समीप स्थित हैं। गंगा एक्सप्रेसवे से इनकी बेहतर कनेक्टिविटी को सुनिश्चित किया गया है। उन्नाव में कुल 135.26 हेक्टेयर एरिया में आईएमएलसी की स्थापना होनी है, जिसमें प्लॉट्स का बेसिक अलॉटमेंट रेट 5,010 प्रति स्क्वेयर मीटर रखा गया है। इस नोड की गंगा एक्सप्रेसवे के साथ ही लखनऊ-कानपुर हाइवे, सोनिक रेलवे स्टेशन, उन्नाव रेलवे स्टेशन तथा लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अच्छी कनेक्टिविटी है। वहीं, संभल में प्लॉट्स का बेसिक अलॉटमेंट रेट 4,640 प्रति स्क्वेयर मीटर निर्धारित किया गया है। यह गंगा एक्सप्रेसवे के साथ ही संभल-अनूपशहर रोड तथा कनेक्टिंग रोड के माध्यम से गजरौला हाइवे से भी जुड़ा होगा। जबकि, हातिम सराय रेलवे स्टेशन से भी इसकी उत्तम कनेक्टिविटी होगी।

इसी प्रकार, हरदोई स्थित क्लस्टर में बेसिक अलॉटमेंट रेट 3,105 रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर रखा गया है। इस नोड की गंगा एक्सप्रेसवे के साथ ही फरुर्खाबाद-हरदोई स्टेट हाइवे, शाहबाद रेलवे स्टेशन तथा हरदोई रेलवे स्टेशन से उत्तम कनेक्टिविटी है।

इन सभी नोड्स पर चौड़ी सुव्यवस्थित सड़कें, शानदार कनेक्टिविटी, 24 घंटे पावर सप्लाई, डेडिकेटेड वॉटर सप्लाई, ड्रेनेज व एसटीपी जैसी तमाम खूबियां हैं। इन क्लस्टर्स में प्लॉट लेने के इच्छुक उद्यमी निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रतापगढ़ में मोटर साइकिल की टक्कर से दूध विक्रेता की मौत

प्रतापगढ़, (हि. स.)। प्रतापगढ़ जिले के कधंई थाना क्षेत्र में मगंलवार को दूध विक्रेता को मोटर साइकिल सवार ने टक्कर मार दिया जिससे मौके पर मौत हो गई। दूलापुर गांव निवासी मुस्तकीम 60 वर्ष मंगलवार को अपने घर से दीवानगंज बाजार डेरी पर दूध देने जा रहे थे तभी चौराहे के समीप जैसे पहुंचे थे पीछे से तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें मुस्तकीम सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया, पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मुस्तकीम के तीन बेटे व एक बेटी है कुछ दिन से वह दूध का व्यवसाय शुरू किये थे। चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे से बाइक सवार की पहचान पुलिस कर रही है। थानाध्यक्ष कधंई अवन कुमार दीक्षित ने बताया कि सड़क दुघर्टना में मौत हुई है शव शो पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

पाक एजेंसी से सम्पर्क करने वाले संदिग्धों की तलाश में एटीएस की छापेमारी

लखनऊ, (हि.स.)। हरियाणा के फरीदाबाद से बीते दिनों संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान को पकड़े जाने के बाद उत्तर प्रदेश एंटी टेरिस्ट स्क्वायड (यूपी एटीएस) ने संदिग्धों की तलाश को छापेमारी शुरू कर दी है। एटीएस ने आजमगढ़, मऊ और बलिया में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से सम्पर्क करने वाले लोगों की तलाश में छापेमारी की। गौरतलब है कि बीते दिनों अयोध्या के मिल्कीपुर निवासी अब्दुल रहमान को गुजरात एटीएस और हरियाणा एसटीएफ ने फरीदाबाद जिले से हिरासत में लिया है। आरोप है कि अब्दुल रहमान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में था, वहीं वह कथित तौर पर अयोध्या के राम मंदिर को उड़ाने की साजिश रच रहा था। साथ ही पूछताछ में एटीएस को उत्तर प्रदेश के अन्य लोगों के भी उसके संपर्क में रहने की जानकारी मिली है। उसके बाद एटीएस ने प्रदेश भर में जोरदार छापेमारी शुरू कर दी है। एटीएस की टीम ने बीती रात आजमगढ़ में छापेमारी की और उसके बाद टीम बलिया के लिए रवाना हो गई। सूत्रों का दावा है कि बलिया जिले के तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है। जिनके पास से पाकिस्तान से संबंधित ईमेल आईडी प्राप्त होने की जानकारी मिल रही है।

नहर में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

बुलंदशहर, (हि.स.)। थाना गुलावठी कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक कार नहर (रजवाहे) में गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में एक महिला की हालत गंभीर है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अमरोहा जनपद के नंगला नसीर निवासी निपेंद्र (40) अपनी पत्नी कौशल (39), कन्हैया (16), पवन की पुत्री वंशिका (16) और हर्ष कार से सोमवार को एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। मंगलवार सुबह तड़के सभी लोग घर लौट रहे थे, तभी गुलावठी क्षेत्र में पितुबास नहर के मोड़ पर अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। कार सवार सभी लोग नहर के पानी में डूब गए। जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने सभी को बचाने की कोशिश की, लेकिन गहरी नहर होने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को बाहर निकाला , लेकिन तब तक कन्हैया और वंशिका की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार सवार निपेंद्र, कौशल तथा हर्ष को जिला अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान निपेंद्र और हर्ष ने भी दम तोड़ दिया। अस्पताल में महिला कौशल जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

प्रदेश भर में काम आएंगे 07 लाख मरीजों का इलाज करने वाले सेंट्रल हॉस्पिटल के विश्वस्तरीय उपकरण

दिव्य भारत संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। महाकुम्भ मेले में इस्तेमाल की गई विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं अब प्रदेशभर के मरीजों के इलाज में काम आएंगी। प्रयागराज के सेंट्रल हॉस्पिटल में प्रयुक्त उन्नत चिकित्सा उपकरणों को अब यूपी के विभिन्न जिलों के अस्पतालों में भेजने की तैयारी चल रही है। यहां के सेंट्रल हॉस्पिटल के माध्यम से मेले के दौरान 07 लाख से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। यूपी के विभिन्न जिलों में महाकुम्भ मेले के सेंट्रल हॉस्पिटल की एक-एक मशीनें इस्तेमाल की जाएंगी। डिमांड के हिसाब से उपकरणों की सप्लाई की जाएगी। प्रयागराज के एडी हेल्थ डॉ राकेश शर्मा ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज के परेड ग्राउंड में 100 बेड का हाईटेक सेंट्रल हॉस्पिटल स्थापित किया गया। जिसमें अत्याधुनिक आईसीयू, डेंटल, आथोर्पेडिक, स्त्री एवं शिशु रोग विशेषज्ञों की सेवाएं यहां आने वाले श्रद्धालुओं को उपलब्ध थीं। मेला समाप्त होने के बाद अब यहां के बेड समेत तमाम उपकरणों को प्रदेश के अन्य जिलों तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है।

आस्था और अर्थव्यवस्था का प्रतिमान बना महाकुंभ

- समुद्र मंथन से अमृत के साथ ही निकली थीं समृद्धि की देवी महालक्ष्मी
- इसी नाते आस्था और अर्थव्यवस्था परस्पर पूरक रहे हैं, इस रिश्ते को योगी ने दिया नया आयाम

आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत

लखनऊ। गंगा सिर्फ एक नदी मात्र नहीं है। यह नदी के साथ एक इतिहास और संस्कृति भी है। यह जिस क्षेत्र से गुजरती है उसे हरा भरा कर देती है। यही वजह है कि विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं का यह पालना रही है। इसीलिए इसे जीवनदायिनी कहते हैं। आस्था की वजह से यह मोक्षदायिनी, पतित पावनी और पाप नाशिनी भी मानी जाती है। इन सारी खूबियों के अलावा गंगा का आर्थिक महत्व भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंगा यात्रा से लेकर प्रयागराज महाकुंभ तक कई बार कह चुके हैं कि गंगा सिर्फ आस्था नहीं अर्थव्यवस्था भी है। अब तो अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ भी इसे मानने लगे हैं। प्रयागराज महाकुंभ में आए और यहां से काशी, अयोध्या, चित्रकूट, विंध्याचल और अन्य जगहों पर जाने वाले श्रद्धालुओं/पर्यटकों की कुल संख्या और उनके द्वारा किए गए अनुमानित खर्च के आंकड़े तथा देश एवं प्रदेश की जीडीपी पर पड़ने वाले असर के आंकड़े अभी और आएंगे। महाकुंभ के समापन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने भी कहा था कि यह आयोजन देश की सांस्कृतिक समृद्धि और आर्थिक प्रगति का प्रतीक बन गया है। हाल ही में केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि महाकुंभ से होटल, फूड और ट्रांसपोर्ट जैसे उद्योगों को खासा बल मिला। इस आयोजन में आए 50 से 60 करोड़ लोगों ने विभिन्न मदो में जो खर्च किया उसका प्रभावशाली असर चौथी तिमाही की जीडीपी में दिखेगा। दरअसल, आस्था और अर्थव्यवस्था एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। हों भी क्यों नहीं, विष्णुपुराण में जिस समुद्र मंथन का जिक्र है, उसीसे अमृत भी निकला और समृद्धि की देवी महालक्ष्मी भी निकली थीं। अमृत को असुरों से बचाने के लिए जब देवता अमृत कुंभ लेकर भागे, उस समय प्रयागराज, नासिक, उज्जैन और हरिद्वार में अमृत की कुछ बूंदे छलकी।

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी का 11वां स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय सम्मेलन

- शुष्क भूमि क्षेत्रों में टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के विस्तार रणनीतियों पर होगा मंथन

दिव्य भारत संवाददाता

झाँसी। रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी अपने गौरवशाली 11वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह आयोजित कर रहा है। इस अवसर को विशेष बनाने के लिए दिनांक 5 से 7 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, इसका मुख्य विषय शुष्क भूमि क्षेत्रों में टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के लिए विस्तार रणनीतियाँ रहेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह एवं निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 5 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय के 11वें स्थापना दिवस पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व शोध कार्यों की उपलब्धियों को रेखांकित करेगा, बल्कि विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए एक प्रेरणादायक मंच भी प्रदान करेगा।

5 से 7 मार्च 2025 तक चलने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में 100 से अधिक वैज्ञानिक, शोधकर्ता, कृषि अधिकारी एवं विषय-विशेषज्ञ भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य शुष्क भूमि क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा, कृषि नवाचार, संसाधन प्रबंधन एवं विकास के लिए नवीनतम तकनीकों और रणनीतियों पर मंथन करना है।

यह सम्मेलन कृषि क्षेत्र में काम कर रहे वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और नीति-निमार्ताओं को अपने विचार, शोध निष्कर्ष और अनुभव साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। इस आयोजन से शुष्क भूमि क्षेत्रों में कृषि के सतत विकास हेतु नए समाधान एवं रणनीतियाँ विकसित करने में सहायता मिलेगी, जिससे भारत के किसानों को व्यापक लाभ होगा।

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी भारत में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है। इस सम्मेलन से विश्वविद्यालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएंगी तथा कृषि के क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

पहले माफिया दौड़ाता था, पुलिस भागती थी : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रदेश में पहले माफिया दौड़ाता था, पुलिस भागती थी। माफिया को पुलिस सैल्यूट करती थी लेकिन अब कानून-व्यवस्था के मामले में प्रदेश ने अपना परसेप्शन बदला है। आज देश और दुनिया के लोग प्रदेशवासियों को बहुत सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिस प्रदेश में कभी कोई व्यवसायी निवेश के लिए नहीं आता था, आज वह प्रदेश देश के सबसे बड़ा निवेश क्षेत्र बनकर उभरा है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के हवाले से मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डकैती के मामले में 2016 की तुलना में 2024 में 84.41 प्रतिशत की कमी आई है। 2016 में 263 डकैती के मामले सामने आए थे, जो 2022 में घटकर 50 हो गए। लूट के मामले में 77.43 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के मामले में 41.01 प्रतिशत की कमी आई है। बलवा में 66.40 प्रतिशत की कमी आई है। गृहभेदन में 5.12 प्रतिशत की कमी आई है। फिरौती के लिए अपहरण में 54.72 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों द्वारा शुरू की गई प्रवृत्ति समाप्त हो गई है। 08 वर्षों में जो सुरक्षा का वातावरण पैदा हुआ है, उसके लिए सरकार के सतत प्रयासों का ही परिणाम है। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया का कालखंड अब अतीत की बात हो चली है।

विधान सभा में नेता सदन योगी ने कहा कि पुलिस को रिफार्म करने के बाद सरकार ने ये सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करके उनकी ट्रेनिंग को बेहतर बनाया। सुशासन के लिए कार्यपद्धति में सुधार, तकनीक का उपयोग, पारदर्शिता, जनसंवाद, पुलिस आधुनिकीकरण, पुलिस सुधार, सतत मॉनीटरिंग जैसे प्रयास किये गए। योगी ने कहा कि ये वही प्रदेश था जहां पहले अपराधी दौड़ता था पुलिस भागती थी। माफिया के सामने सारे प्रोटोकॉल फेल हो जाते थे। जो पुलिस पहले माफिया को सैल्यूट करती थी, एक माफिया ने हाईकोर्ट के जज का काफिला रोक दिया था। जिस माफिया के लिए 10-10 जजों ने कोर्ट में सुनवाई से मना कर दिया था। वही माफिया जब इस सरकार में पुलिस के सामने आया तो उसकी पैंट गीली हो गई। योगी ने कहा कि शासन धमक से चलता है और वही धमक आज प्रदेश के अंदर माफियाओं को दिखाई दे रही है।